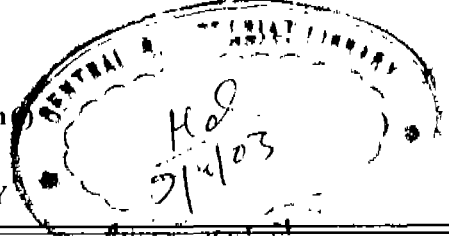




भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 459]

नई दिल्ली, मंगलवार, अक्टूबर 8, 2002/आश्विन 16, 1924

No. 459]

NEW DELHI, TUESDAY, OCTOBER 8, 2002/ASVINA 16, 1924

वित्त और कंपनी कार्य मंत्रालय

(कंपनी कार्य विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर, 2002

सा. का. नि. 685(अ).-- केन्द्रीय सरकार, कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 209 की उपधारा (1) के खंड (घ) के साथ पठित धारा 642 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :-

1. संक्षिप्त नाम और प्रारंभ-- (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम लागत लेखा अभिलेख (बागान उत्पाद) नियम, 2002 है ।

(2) ये राजपत्र में इनके प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे ।

2. लागू होना - ये नियम ऐसी प्रत्येक कंपनी को लागू होंगे जो इन नियमों के परिशिष्ट में यथाविनिर्दिष्ट उत्पादों के उत्पादन, प्रसंस्करण या विनिमाण में लगी हुई है :

परंतु ये नियम किसी ऐसी कंपनी को लागू नहीं होंगे , -

(क) जिसमें संस्थापित मशीनरी और संयंत्र का कुल मूल्य, पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष की अंतिम तारीख को उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) के उपबंधों के अधीन किसी लघु औद्योगिक उपक्रम के लिए यथाविनिर्दिष्ट सीमा से अधिक नहीं है ; और

(ख) कंपनी के, पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष के दौरान इसके सभी उत्पादों के विक्रय या प्रदाय से, आबत का कुल मूल्य दस करोड़ रुपए से अधिक नहीं है ।

3. अभिलेखों का रख-रखाव--

(1) ऐसी प्रत्येक कंपनी, जिसे ये नियम लागू होते हैं, इन नियमों के प्रारंभ को या उसके पश्चात् प्रारंभ होने वाले अपने प्रत्येक वित्तीय वर्ष की बाबत सामग्री, श्रम और लागत की अन्य मदों के उपयोग के संबंध में, जहां तक वे नियम 2 में

निर्दिष्ट उत्पादों में से किसी को लागू होते हैं, उचित लेखा बहियां रखेगी। इस प्रकार रखी गई बहियों में इन नियमों से उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विशिष्टियां और उक्त अनुसूची में उल्लिखित प्रोफार्मा क, ख, ग, घ, ङ और च होंगे :

परंतु यदि उक्त कंपनी किसी अन्य उत्पाद (उत्पादों) के विनिर्माण में लगी हुई है या उपनियम (2) में निर्दिष्ट उत्पाद(दों) के अतिरिक्त अन्य क्रियाकलापों में लगी हुई है, तो ऐसी सामग्री, श्रम और लागत की अन्य मदों में उपयोग के संबंध में, जहां तक वे ऐसे अन्य उत्पादों या क्रियाकलापों को लागू हैं, परिशिष्ट में निर्दिष्ट उत्पादों की लागत में सम्मिलित नहीं की जाएंगे।

(2) उपनियम (1) में निर्दिष्ट लेखा बहियां नियमित रूप से ऐसी रीति में रखी जाएंगी ताकि उनमें दर्ज की गई विशिष्टियों से प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए निर्दिष्टाधीन उत्पादन की लागत और उत्पाद (दों) के विक्रय की लागत को संगणित किया जाना संभव हो सके और ऐसी प्रत्येक लेखा बही और उक्त अनुसूची में विनिर्दिष्ट प्रोफार्मा, कंपनी के उस वित्तीय वर्ष की, जिससे उनका संबंध है, समाप्ति से नब्बे दिन के अपश्चात् पूरे कर लिए जाएंगे।

(3) सांख्यिकीय और अभिलेख, इन नियमों की अनुसूची के उपबंधों के अनुसार ऐसी रीति में रखे जाएंगे जिससे कंपनी, जहां तक संभव हो सके, लागतों में अधिकतम मितव्ययिता प्राप्त करने की दृष्टि से विभिन्न प्रचालनों और लागतों पर नियंत्रण रखने में समर्थ हो सके ॥ इन अभिलेखों में समय समय पर यथा संशोधित लागत लेखा परीक्षा (रिपोर्ट) नियम, 2001 में निर्दिष्ट सभी प्रश्नों पर युक्तियुक्त रूप से रिपोर्ट देने के लिए लागत लेखा परीक्षक द्वारा अपेक्षित आवश्यक आंकड़े दिए जाएंगे।

(4) कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 209 की उपधारा (6) और उपधारा (7) में निर्दिष्ट प्रत्येक व्यक्ति का यह कर्तव्य होगा कि वह कंपनी द्वारा इस नियम के उपनियम (1), उपनियम (2) और उपनियम (3) के उपबंधों का उस रीति से अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए सभी युक्ति युक्त कदम उठाए जिस रीति से वह उक्त अधिनियम की धारा 209 की उपधारा (1) के अधीन अपेक्षित लेखाओं को रखने के लिए उत्तरदायी है।

4. शास्ति - यदि कोई कंपनी नियम 3 के उपबंधों का उल्लंघन करती है तो कंपनी और उसका प्रत्येक अधिकारी, जो व्यतिक्रम करता है जिसके अंतर्गत वे व्यक्ति भी हैं, जो नियम 3 के उपनियम (4) में निर्दिष्ट हैं, कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 209 की उपधारा (5) और उपधारा (7) के साथ पठित धारा 642 की उपधारा (2) के अधीन उपबंधों के अनुसार रहते हुए, दंडनीय होगा।

परिशिष्ट

(नियम 2 देखिए)

उन बागान उत्पादों की सूची, जिनके लिए नियम लागू होंगे-

1. चाय और चाय उत्पाद
2. काफी और काफी उत्पाद
3. अन्य वाणिज्यिक बागान, उत्पाद, जिनके अंतर्गत उनके बीज भी हैं।

अनुसूची

(नियम 3 देखिए)

1. सामग्री -

(1) नियम 2 में निर्दिष्ट उत्पादों के उत्पादन, प्रसंस्करण या विनिर्माण के लिए प्रयुक्त सामग्री के प्रत्येक मद की मात्रा और मूल्य दोनों में सभी प्राप्ति, निर्गमों और अतिशेषों को दर्शित करते हुए पृथक रूप से समुचित अभिलेख रखे जाएंगे।

ऐसे अभिलेखों में ऐसे ब्यौरे दिए जाएंगे जिनसे कि कंपनी, ऐसी सभी कच्ची सामग्री की प्रत्येक मद की मात्रा और उसकी प्राप्ति की लागत (जिनके अंतर्गत सामग्रियों की बाबत संपदा/संकर्म तक के सभी प्रत्यक्ष प्रभार हैं) और ऐसी सभी सामग्रियों के, जो नर्सरी लगाने, क्लोन्स, प्लांटलेट्स, शेडमैनेजमेंट, नए खंडों की जुताई, खंडों का पुनः बागान लगाने, विद्यमान बागानों का नियमित अनुक्षण और उत्पादित उत्पादों के प्रसंस्करण में प्रयुक्त ऐसी सभी सामग्रियों के प्रत्येक मद की मात्रा और मूल्य के निर्गमों और अतिशेषों को अवधारित करने में समर्थ हो। वह आधार जिस पर उक्त मात्राओं और निर्गम और उपभोग की लागत की संगणना की गई है, लागत अभिलेख में उपदर्शित किया जाएगा और समनुरूपतः अनुसरण किया जाएगा। आयातित सामग्री की दशा में समुचित अभिलेख रखे जाएंगे जिनमें पोत पर्यन्त मूल्य समुद्र पार का भाड़ा, बीमा, सीमाशुल्क, और अंतर्देशीय भाड़ा प्रभारों, आदि को दर्शित किया जाएगा। यदि स्वदेशी और आयातित दोनों सामग्रियों का उपभोग किया जाता है तो प्रत्येक मद के लिए उनके मिश्रित किए जाने की प्रतिशतता को दर्शित करते हुए समुचित अभिलेख रखे जाएंगे। आयातित सामग्री की दशा में अनुज्ञप्ति वार अनुज्ञात मात्रा, आयातित वास्तविक मात्रा, उपभोग की गई वास्तविक मात्रा, स्टॉक में मात्रा और वह मात्रा जिसे कुल अनुज्ञप्ति मात्रा में से अभी आयात किया जाना है, को दर्शित करते हुए, समुचित अभिलेख रखे जाएंगे। नियम 2 में निर्दिष्ट उत्पादों के उत्पादन, प्रसंस्करण या विनिर्माण के लिए अपशिष्ट और उसके पुनःप्रयोग से प्राप्त किसी सामग्री की मात्रा और लागत को दर्शित करते हुए समुचित अभिलेख रखे जाएंगे।

(2) उपभोज्य भंडार, औजार, अतिरिक्त पुर्जों की प्रत्येक मद की मात्रा और लागत दोनों के संबंध में रसीदों, निर्गमों को दर्शित करते हुए समुचित अभिलेख रखे जाएंगे। उपभोज्य भंडारों, छोटे औजारों और पुर्जों आदि के उपभोग की लागत प्रत्येक सुसंगत लागत केन्द्र या विभाग में वास्तविक निर्गमों के आधार पर प्रभारित की जाएगी। ऐसे उपभोज्य भंडारों और औजारों की दशा में, जिनका मूल्य महत्वपूर्ण नहीं है, कंपनी यदि ऐसी वांछा करे तो ऐसी मदों के मुख्य समूह के लिए ऐसे अभिलेख रख सकेगी।

(3) सामग्रियों, प्रक्रिया सामग्रियों, उपभोज्य भंडारों की मात्रा और अपशिष्ट, नष्ट सामग्री और अस्वीकृत सामग्री तथा हानियों के मूल्य को दर्शित करते हुए समुचित अभिलेख रखे जाएंगे। उपर्युक्त हानियों और अस्वीकृत सामग्री तथा अपशिष्ट सामग्रियों जिसके अंतर्गत हानि सुदा सामग्री भी है, यदि कोई हो, के निपटान से प्राप्त आय को समायोजित करने के लिए अनुसरित की गई प्रणाली को लागत अभिलेखों में उपदर्शित किया जाएगा।

(4) ऐसी सामग्रियों और संघटकों, जिन्हें 12 मास से अधिक के लिए संचलित नहीं किया गया है के मूल्य को उपदर्शित करने के लिए समुचित अभिलेख रखे जाएंगे।

(5) यदि हरी पत्तियों के रूप में क्रय की गई किसी सामग्री में से कोई सामग्री गृह में या बाह्य पक्षकार द्वारा प्रसंस्कृत की जाती है तो क्रय की गई मात्रा और गृह में प्रसंस्कृत, बाहर प्रसंस्करण के लिए भेजी गई मात्रा, प्रसंस्करण के पश्चात् प्राप्त की गई मात्रा, प्राप्त उप-उत्पाद, यदि कोई हों, और प्रसंस्करण में अंतर्बलित लागत के लिए समुचित अभिलेख रखे जाएंगे।

(6) जहां केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 (1944 का 1) के अधीन केन्द्रीय मूल्य वर्धित कर (सैनवैट) के अधीन कोई मुजरा या सैनवैट मुजरे की प्रकृति के कोई अन्य फायदे, सामग्री और/या खपने वाले सामान या पुर्जों की किसी मद पर प्राप्त किए जाते हैं या प्राप्त किए जाने योग्य हैं वहां ऐसी सामग्री और/या खपने वाले सामान/पुर्जों की लागत ऐसे मुजरे या फायदों को समायोजित करने के पश्चात् दर्शित किए जाने चाहिए।

2. वेतन और मजदूरी :

(1) लागत केन्द्रों या संपदा और वह संकर्म पर नियोजित सभी कर्मचारियों की उपस्थिति और उनके उपार्जन को उपदर्शित करते हुए समुचित अभिलेख रखे जाएंगे। ऐसे प्रत्येक लागत केन्द्र या संपदा के लिए पृथक् रूप से निम्नलिखित भी अभिलेख में उपदर्शित किए जाएंगे :—

(क) मात्रानुपाती दर पर मजदूरी (जहां लागू हो) ;

(ख) प्रोत्साहन मजदूरी चाहे व्यक्ति या सामूहिक रूप से उत्पादन बोनस के रूप में या उत्पादन पर आधारित किसी अन्य स्कीम के अधीन हो ;

(ग) अतिकालिक मजदूरी ;

(घ) नेमिसिक् या संविदाजात श्रमिकों के उपार्जन ;

(ङ) बोनस या उपदान, कानूनी तथा अम्ष ;

(च) अधिवर्षिता स्कीम में अभिदाय ; और

(छ) ऊपर (क) से (च) में विनिर्दिष्ट प्रकृति का कोई अन्य उपार्जन ।

(2) अभिलेख ऐसी रीति से रखे जाएंगे कि कंपनी इन नियमों से उपाबद्ध अनुसूची के प्रोफार्मा क, ख, ग, घ, ङ और च में इस शीर्ष के अधीन आवश्यक विशिष्टियां दे सके। नर्सरी, सेडमैनेजमेंट, अपरिपक्व बागान, और पुनः बागान लगाने, और विद्यमान बागानों को नियमित बनाए रखने और उनके अनुरक्षण तथा उत्पादों के प्रसंस्करण या विनिर्माण के अधीन खंडानुसार व्ययों के बहियों में अभिलेख रखे जाएंगे। जहां कर्मचारी ऐसी रीति में काम करते हैं कि उनकी पहचान किसी विशिष्ट लागत केन्द्र या उत्पाद के साथ करना संभव नहीं है वहां श्रम प्रभार लागत केन्द्रों या उत्पादों के बीच साम्यापूर्ण और युक्तियुक्त आधार पर प्रभाजित किए जाएंगे और समरूपता से लागू होंगे।

(3) खाली श्रम लागत को वर्गीकृत शीर्षकों के अधीन उसके लिए जो कारण हैं जिन्हें उपदर्शित करते हुए पृथक् अभिलिखित किया जाएगा। उत्पादित उत्पाद की लागत अभिनिर्धारित करने में खाली समय के संदाय का लेखा रखने के लिए अपनाई जाने वाली पद्धति को लागत अभिलेख में दर्शित किया जाएगा।

(4) पूंजी संकर्म, जैसे संयंत्र और मशीनरी, भवन में संवर्धन या अन्य स्थिर आस्तियों को आबंटनीय किन्हीं मजदूरियों और वेतनों का लेखा सुसंगत पूंजी शीर्ष के अधीन दिया जाएगा। इसी प्रकार आस्थगित राजस्व व्यय की प्रकृति के संदायों को पृथक् वर्गीकृत शीर्षकों के अधीन पृथक् रूप से लेखबद्ध किया जाएगा जिसमें इसके कारणों को दर्शित किया जाएगा। उत्पाद की लागत का अवधारण करने में ऐसे संदायों की गणना करने के लिए अनुसरित किया जाने वाला तरीका साम्यापूर्ण और युक्तियुक्त आधार पर होगा तथा उसे समरूपतः लागू किया जाएगा। उक्त तरीका लागत अभिलेखों में भी प्रकट किया जाएगा।

(5) कर्मचारियों को संदेय सेवा निवृत्ति के फायदों की लागत पृथक् शीर्ष के अधीन पृथक् रूप से अभिलिखित की जाएगी। इस परिशिष्ट में निर्दिष्ट उत्पादों की लागत अभिनिर्धारित करने में ऐसी लागत के लिए अपनाई गई पद्धति

साम्यापूर्ण और युक्तियुक्त आधार पर होगी, समरूपता से लागू की जाएगी और पृथकतः प्रकटित की जाएगी। इस संबंध में भारत के चार्टर्ड एकाउंटेंट संस्थान द्वारा जारी किए गए मानकों या मार्ग निर्देशक सिद्धांतों के अधीन रहते हुए स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति स्कीम जो सामान्य सेवानिवृत्ति फायदों के अतिरिक्त संदेय है और जिनके भविष्य में लागत में बचतों के निबंधनों के अनुसार दिए जाने की संभावना है, पांच वर्ष से अधिक की अवधि के लिए आस्थगित राज्य व्यय के रूप में माना जाएगा। ये लागत वेतनों और मजदूरियों के भाग नहीं होंगी और इनको पृथक रूप से दर्शित किया जाएगा। ऐसी लागतों को तालिकाओं के मूल्यांकन से अपवर्जित किया जाएगा क्योंकि ये व्यय उन तालिकाओं को उनके वर्तमान स्थिति और दशा में रखने के परिणामस्वरूप नहीं हैं।

3. सेवा विभाग व्यय :

प्रमुख सेवा विभाग या लागत केन्द्र कृत्य जैसे प्रयोगशाला, कल्याणकारी उपाय, सुरक्षा उपकरण परिवहन औषधालय, स्कूल, क्रीडा, नगरी आदि की बाबत उपगत व्ययों को उपदर्शित करने वाले विस्तृत अभिलेख रखे जाएंगे। ये व्यय अन्य सेवा उत्पाद और प्रसंस्करण विभागों के बीच साम्यापूर्ण और युक्तियुक्त आधार पर प्रभाजित किए जाएंगे और समरूपतः लागू किए जाएंगे। जहां इन सेवाओं का उपयोग कंपनी के अन्य उत्पादों या क्रियाकलापों के लिए भी किया जाता है वहां ऐसे व्ययों के इस परिशिष्ट में निर्दिष्ट उत्पादों या क्रियाकलापों के बीच प्रभाजन का आधार साम्यापूर्ण और युक्तियुक्त आधार पर होगा और समरूपतः लागू किया जाएगा।

4. उपयोगिताएं :

(1) जल - निर्दिष्टाधीन उत्पाद के उत्पादन, प्रसंस्करण, विनिर्माण के लिए उपभोग्य जल की मात्रा और लागत यदि कोई हो को दर्शित करते हुए समुचित अभिलेख रखे जाएंगे। जल की लागत विभिन्न लागत केन्द्रों या संबद्ध विभागों के बीच साम्यापूर्ण और युक्तियुक्त आधार पर प्रभाजित की जाएगी और समरूपतः लागू की जाएगी।

(2) भाप - जहां कंपनी द्वारा भाप तैयार की गई है वहां तैयार की गई भाप की मात्रा और लागत और परिशिष्ट में निर्दिष्ट उत्पादों के उत्पादन, प्रसंस्करण या विनिर्माण के लिए उपभोग्य भाप को दर्शित करते हुए अभिलेख रखे जाएंगे। कंपनी की विभिन्न इकाईयों द्वारा उपभोग की गई भाप की कीमत को साम्यापूर्ण और युक्तियुक्त आधार पर प्रभाजित की जाएगी और समरूपतः लागू किया जाएगा। जहां कंपनी की किसी अन्य इकाई द्वारा निर्दिष्ट उत्पाद के लिए भाप तैयार की जाती है और उसका प्रदाय किया जाता है वहां ऐसी प्रदाय की गई भाप की लागत निर्दिष्ट उत्पाद के लिए साम्यापूर्ण और युक्तियुक्त आधार पर प्रभाजित की जाएगी और समरूपतः लागू किया जाएगा।

(3) विद्युत - जहां विद्युत का क्रय किया जाता है वहां इकाईयों और विभिन्न लागत केन्द्रों या विभागों में निर्देश के अधीन उत्पादों के लिए खपत की गई विद्युत की लागत के लिए समुचित अभिलेख रखे जाएंगे। जहां कंपनी स्वतः ही विद्युत का उत्पादन करती है वहां विभिन्न लागत केन्द्रों या विभागों में निर्देश के अधीन उत्पादों के लिए उत्पन्न की गई और खपत की गई विद्युत की लागत को दर्शित करने के लिए लागत के सभी तत्वों

को दर्शित करते हुए पर्याप्त अभिलेख रखे जाएंगे ।

(4) अन्य उपयोगिताएं - निर्देशाधीन उत्पादों के उत्पादन, प्रसंस्करण या विनिर्माण के लिए कंपनी द्वारा क्रय की गई या उत्पादित किन्हीं अन्य उपयोगिताओं की बाबत मात्रा और लागत को दर्शित करते हुए समुचित अभिलेख रखे जाएंगे, इन उपयोगिताओं की लागत उत्पादों में साम्यापूर्ण और युक्तियुक्त आधार पर प्रभाजित की जाएगी और समरूपता में लागू होगी । प्रत्येक उपयोगिता के लिए लागत विवरण प्रोफार्मा 'क' में रखे जाएंगे ।

5. मरम्मत और अनुरक्षण :

(1) विभिन्न संपदाओं के भागों या लागत केन्द्रों में सड़कों और बाड़ों, ड्रिप सिंचाई प्रणाली, भवनों और उपस्कर आदि की मरम्मत और अनुरक्षण पर उपगत व्यय को दर्शित करते हुए समुचित अभिलेख रखे जाएंगे । ये अभिलेख विभिन्न लागत केन्द्रों या विभागों में ऐसे मरम्मत और अनुरक्षण के व्ययों के प्रभारित किए जाने के आधार को भी उपदर्शित करेंगे ।

(2) अभिलेखों में ऐसी मदों का वर्णन करते हुए जिन्हें चौबीस मास से अधिक की अवधि तक हटाया नहीं गया है, ऐसे सामान और पुर्जों की अंतिम सूची की रकम और उसके प्रभाजन को उपदर्शित किया जाएगा ।

(3) ऐसी मुख्य मरम्मत कार्य पर व्यय, जिसके एक से अधिक वित्तीय वर्षों में फायदा प्रोद्भूत होने की संभावना है, फायदा के लिए आशयित अवधि के ऊपर युक्तियुक्त और साम्यापूर्ण आधार पर आबंटित किया जाएगा और समरूपतः लागू किया जाएगा । ऐसी लागत पृथक् रूप से दर्शायी जाएगी और ऐसी लागतों की लेखा पद्धति और आबंटन के आधार को भी लागत अभिलेखों में उपदर्शित किया जाएगा ।

6. भूमि, नए बागान या पुनः बागान लगाने की विकास लागत

(1) नए बागान/पुनः बागान विकास के लिए समुचित अभिलेख रखे जाएंगे । इन अभिलेखों में खाद डालने, पौध लगाने और बागान, कीटनाशी, खरपातवार, भराई के संबंध में व्ययों को उपदर्शित किया जाएगा । ये अभिलेख खंडवार और वर्षवार रखे जाएंगे ।

(2) भूमि के विकास, और नए बागान/पुनः बागान लगाने के संबंध में उपगत व्यय भारतीय चार्टर्ड एकाउंटेंट्स संस्थान द्वारा जारी किए गए लेखा मानक या मार्गदर्शक सिद्धांतों अथवा बागान उद्योगों के संबंध में अनुसरित किए जाने वाले अन्य साधारणता स्वीकृत लेखा सिद्धांतों के अनुसार पूंजीकृत या प्रभारित किए जाएंगे ।

(3) बागान या पुनः बागान उपजों की दशा में उनकी अपरिपक्वता की अवधि के दौरान कुछ फसलें विकास लागत में ऐसी फसलों के विक्रय के लिए उधार दी जाएंगी । प्रत्येक वर्ष सरकार या वस्तु बोर्ड से प्राप्त सहायकी जब तक कि लगाए गए नए बागान या पुनः बागान खंड परिपक्व नहीं हो जाते, तब तक वह भारतीय चार्टर्ड एकाउंटेंट संस्थान द्वारा जारी लेखा मानक या मार्गदर्शक सिद्धांतों के अधीन रहते हुए नए बागान या पुनः बागान के विकास की लागत में जमा की जाएगी । शुद्ध पूंजीकृत लागत इसकी उपयोगी जीवन पर, जो उस वर्ष से आरंभ होता है जिसमें बागान या पुनः बागान परिपक्व हो जाते हैं और फसल की नियमित उपज देते हैं अपाकृत हो जाएगी । उस दशा में, जहां पट्टाधृत भूमि का विकास किया जाता है और पट्टे की अवधि बागान के जीवन से कम है तब बागान की शुद्ध पूंजीकृत लागत शेष पट्टावधि के लिए अपाकृत की जानी चाहिए ।

7. नियत आस्तियों और अवक्षयण

(1) निर्देशाधीन प्रत्येक उत्पाद के लिए जिसकी बाबत अवक्षयण के लिए उपबंध किया जाता है, प्रयुक्त आस्तियों के लिए समुचित और पर्याप्त अभिलेख रखे जाएंगे। इन अभिलेखों में अन्य बातों के साथ-साथ संस्थापन प्रभार, बागान और पुनःबागान की पूंजीकृत लागत, अर्जन/बागान की तारीख और अवक्षयण की दर सहित आस्तियों के प्रत्येक मद की लागत उपदर्शित की जाएगी। कंपनी को नियोजित पूंजी, शुद्ध नियत आस्तियां और कार्यकरण पूंजी को निर्देशाधीन उत्पादों और अन्य क्रियाकलापों या उत्पादों के लिए पृथक्कृत: पहचान करने में समर्थ बनाने लिए पर्याप्त अभिलेख रखे जाएंगे। नियत आस्तियों पर नए विनिधान जिनका परिशिष्ट में निर्दिष्ट उत्पादों में अभिदाय नहीं किया गया है लागत अभिलेख में उपदर्शित किए जाएंगे।

(2) वह आधार जिस पर अवक्षयण की संगणना की जाती है और विभिन्न लागत केन्द्रों या विभागों को आबंटित या प्रभारित किया जाता है तथा ऐसे उत्पादों पर आभिलेखित किया जाता है, लागत अभिलेखों में स्पष्ट रूप से उपदर्शित किया जाएगा। यदि लागत केन्द्रों या विभागों पर प्रभारित या प्रभारणीय अवक्षयण विहित अवक्षयण से अधिक या कम है और कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 205 के उपबंधों के अधीन कंपनी को लागू होती है तो अवक्षयण की दर को लागू करते हुए ऐसी अधिक या कम अवक्षयण की रकम लागत अभिलेखों में स्पष्ट रूप से उपदर्शित की जाएगी। लागत अभिलेखों के क्रियाकलाप की प्रतियुनिट लागत पर, यथास्थिति, ऐसे अधिक या कम अवक्षयण के प्रभाव को भी दर्शित किया जाएगा। तथापि आस्तियों की किसी व्यष्टिक मद के सामने लागत अभिलेखों में प्रभारित संचयी अवक्षयण संबंधित आस्ति की मूल लागत से अधिक नहीं होगा।

8. अन्य उपरिख्य :

(1) निर्देशाधीन उत्पादों के लिए अन्य उपरिख्यों को समाविष्ट करने वाले व्ययों की विभिन्न मदों को दर्शित करने वाले समुचित अभिलेख रखे जाएंगे। इन व्ययों को कृत्यों अर्थात् बागान की सुव्यवस्था, अनुरक्षण, प्रशासन और विक्रय आदि के अनुसार विरलेषित, वर्गीकृत और समूहित किया जाएगा।

(2) जहां कंपनी निर्देशाधीन उत्पाद से भिन्न किसी अन्य उत्पाद के विनिर्माण में लगी हुई है, वहां अभिलेख स्पष्ट रूप से वह आधार उपदर्शित करेंगे जिसका सम्मिलित उपरिख्यों, जिनके अंतर्गत कंपनी के प्रधान कार्यालय के ऐसे उत्पादों और विद्युत क्रियाकलाप के संबंध में, जिसके अंतर्गत पूंजी संकर्म हैं, व्यय के प्रभाजन के लिए अनुसरण किया गया है। जहां उपरिख्य में सम्मिलित कतिपय व्ययों की पहचान किसी विशिष्ट क्रियाकलाप या उत्पाद के रूप में स्थापित की जा सकती है तो ऐसे व्ययों को पहले पृथक् कर दिया जाएगा और यह सुसंगत क्रियाकलाप या उत्पाद पर प्रभारित किया जाएगा और उसके पश्चात् उपरिख्यों के उपरोक्त प्रवर्ग के अधीन अवशेष व्यय युक्तियुक्त और साम्यपूर्ण आधार पर प्रभाजित किए जाएंगे और इसे समरूपतः लागू किया जाएगा। पूंजीगत संकर्मों पर प्रभाजित उपरिख्य लागत अभिलेखों में पृथक् रूप से दर्शित किए जाएंगे। लागत अभिलेखों में लागत केन्द्रों तथा उत्पादों पर उपरिख्यों के प्रभाजन और आभेलन का आधार उपदर्शित किया जाएगा।

9. स्वामित्व या तकनीकी व्यावहारिक ज्ञान फीस या पट्टे संबंधी प्रभार :

(1) सहयोगकर्ताओं या प्रौद्योगिकी प्रदायकर्ताओं को, निर्देशाधीन के लिए उनके साथ किए गए करारों के

निबंधनों के अनुसार दिए गए स्वामित्व और/या तकनीकी व्यावहारिक ज्ञान फीस सहित इसी प्रकार के अन्य आवर्ती या अनावर्ती संदाय को दर्शित करने वाले पर्याप्त अभिलेख रखे जाएंगे। ऐसे अभिलेख ऐसे प्रत्येक सहयोगकर्ता या प्रदायकर्ता के संबंध में अलग-अलग रखे जाएंगे। ऐसी स्वामित्व की रकमों को, जिनके अंतर्गत एक मुस्त संदाय भी है, प्रभारित करने का आधार लागत अभिलेखों में उपदर्शित किया जाएगा।

(2) पट्टे संबंधी व्यवस्था की दशा में निबंधनों और शर्तों, संदेय या संदेय और प्राप्त या प्राप्य पट्टा प्रभारों के ब्यौरों को उपदर्शित करते हुए समुचित अभिलेख रखा जाएगा।

(3) उस दशा में, जहां भूमि का विकास किया जाता है और पट्टे की अवधि बागान के जीवन से कम है, पट्टे की अवधि और भविष्य में पट्टे के नवीकरण के लिए शर्तें, अभिलेख में उपदर्शित की जाएंगी।

10. अनुसंधान और विकास व्यय :

(1) कंपनी द्वारा, इन नियमों के अधीन आने वाले क्रियाकलापों के अनुसंधान और विकास कार्य के लिए उपगत व्यय के, यदि कोई हो, ब्यौरे दर्शित करने वाले उचित अभिलेख पृथक् रूप से रखे जाएंगे। उत्पाद की उत्पादकता, क्वालिटी या मूल्य में वृद्धि में अनुसंधान के फायदे प्राप्त करने के लिए किसी बाह्य अनुसंधान और विकास संगठन के अभिदाय के लिए समुचित अभिलेख रखे जाने चाहिए।

(2) निर्देशाधीन क्रियाकलापों और अन्य सभी उत्पादों या क्रियाकलापों की लागत पर इन व्ययों के प्रभारण की पद्धति लागत अभिलेखों में दर्शित की जाएगी। जहां ऐसे अनुसंधान और विकास कार्य की उपयोगिता एक से अधिक वित्तीय वर्षों पर विस्तारित होती है वहां ऐसे व्यय समझे जाएंगे और निर्देशाधीन क्रियाकलापों और अन्य सभी उत्पादों, यदि कोई हो, की लागत पर युक्तियुक्त आधार पर प्रभारित किए जाएंगे और समरूपतः लागू होंगे। ऐसे विस्तृत मानदंडों को जिन पर इन व्ययों की उपयोगिता की अवधि को एक वित्तीय वर्ष से अधिक के लिए विस्तृत करने का विनिश्चय किया गया है, लागत अभिलेखों में प्रकट किया जाएगा। ऐसे मामलों में निम्नलिखित मानदंडों को, जो केवल संकेतात्मक हैं न कि सार्वगोप्य, अंगीकार किया जा सकेगा :—

(1) उत्पादन या प्रसंस्करण स्पष्टतः परिभाषित किया जाता है और उस उत्पादन या प्रसंस्करण से तात्पर्यित लागतों को पृथक् रूप से सुनिश्चित किया जा सकता है ;

(2) उत्पादन या प्रसंस्करण की तकनीकी व्यवहार्यता को प्रदर्शित किया गया है ;

(3i) उद्यम के प्रबंध मंडल ने उक्त उत्पादन या प्रसंस्करण को उत्पादित करने और विपणन करने या उसका उपयोग करने के आशय का संकेत दे दिया है ;

(4) इस बारे में युक्तियुक्त उपदर्शन है कि प्रत्याशित उत्पादन, प्रशासन और विक्रय लागत के साथ परियोजना पर उपगत होने वाली चालू और भविष्य के अनुसंधान और विकास की लागतों का संबंधित भविष्य के राजस्व या फायदों के अंतर्गत आने वाली लागतों से अधिक होने की संभावना है ; और

(5) पर्याप्त संसाधन विद्यमान हैं या परियोजना को पूरा करने और उक्त उत्पादने या प्रसंस्करण के लिए उनके उपलब्ध होने की युक्तियुक्त रूप से संभावना है ;

(3) बाहरी व्यक्तियों को तकनीकी व्यवहार ज्ञान प्रदान करने के लिए अनुसंधान और विकास विभाग द्वारा उपगत व्यय पृथक् रूप से अभिलिखित किया जाएगा और निर्देशाधीन उत्पादों की लागत में से अपवर्जित किया जाएगा। बाहरी व्यक्तियों को तकनीकी व्यवहार ज्ञान प्रदान करने से प्राप्त राशि को भी पृथक् रूप से उपदर्शित किया जाएगा और निर्देशाधीन उत्पादों के विक्रय से होने वाली आय में से अपवर्जित किया जाएगा।

11. निर्यात व्यय या प्रोत्साहन :

निर्देशाधीन उत्पादों के निर्यात विक्रय पर उपगत व्ययों को, यदि कोई हों, दर्शित करने के लिए समुचित अभिलेख पृथक् रूप से इस प्रकार रखे जाएंगे ताकि निर्यात विक्रय की लागत सही रूप से अवधारित की जा सके। निर्यात किए गए उत्पादों के लिए लागत विवरण पृथक् तैयार किए जाएंगे जिसमें उपगत निर्यात व्ययों या अर्जित प्रोत्साहनों का ब्यौरा दिया जाएगा। यदि निवेश सामग्री का निःशुल्क निर्यात किया गया है तो यह तथ्य लागत विवरणों में व्यक्त किया जाना चाहिए।

12. स्वाद/परीक्षण (क्वालिटी नियंत्रण)

(1) विनिर्मित विभिन्न श्रेणियों के उत्पादों के स्वाद या परीक्षण परिणामों अर्थात् विभिन्न नमूनों के क्वालिटी सूचकांक को दर्शित करते हुए तारीखवार समुचित अभिलेख रखे जाएंगे।

(2) संपूर्ण वर्ष के लिए स्वाद या परीक्षण पर उपगत व्ययों के विस्तृत अभिलेख रखे जाएंगे जिससे कि उद्यान में विनिर्मित उत्पाद की क्वालिटी के निबंधनों के अनुसार कुल मिलाकर उपलब्धि का निर्धारण किया जा सके।

13. पैकेजिंग और पैकिंग

(1) निर्देशाधीन उत्पादों की मात्रा और विभिन्न पैकेजिंग सामग्री की लागत तथा पैकेजिंग पर उपगत अन्य व्ययों को दर्शित करते हुए समुचित अभिलेख रखे जाएंगे।

(2) निर्यात पैकेजिंग और पैकिंग पर उपगत व्ययों के विस्तृत अभिलेख पृथक् रखे जाएंगे और उनमें निर्यात के लिए सुसंगत लागत विवरण में संप्रदर्शित किया जाएगा।

14. ब्याज और ऋण लागत

प्रत्येक परियोजना और/या कामकाज पूंजी के लिए पृथक् उधार लिए गए धन के लिए और उस पर संदत्त ब्याज प्रभाओं के लिए समुचित अभिलेख रखे जाएंगे। निर्देशाधीन उत्पाद और अन्य उत्पादों या क्रियाकलापों पर ब्याज की रकम युक्तियुक्त और साम्यपूर्ण आधार पर आबंटित या प्रभाजित की जाएगी और उसे समरूपतः लागू की जाएगी। ऐसे उत्पादों की विभिन्न किस्मों पर ब्याज का अंश और प्रभाजित करने के आधार भी साम्यपूर्ण और युक्तियुक्त होंगे और उन्हें समरूपतः लागू किया जाएगा। ऐसे आबंटन या प्रभाजन का आधार लागत अभिलेख या विवरण में स्पष्ट रूप से दर्शाया जाएगा। निष्पादनाधीन परियोजनाओं के लिए उधार लिए गए धन या उपरिचर्यों पर उपगत कुल उधार लागत परियोजना के अस्तित्व में आने की तारीख और वाणिज्यिक क्रियाकलापों के प्रारंभ की तारीख की बीच की अवधि के लिए पूंजी में परिणत कर दी जाएगी।

15. कार्य प्रगति पर और तैयार स्टॉक

उत्पादन कार्य प्रगति पर और तैयार स्टॉक की लागत अवधारित करने के लिए अनुसरित प्रणाली लागत अभिलेखों में उपदर्शित की जाएगी जिससे कि उस लागत तत्व का पता चल सके जिसे ऐसी संगणना में लेखे में लिया गया है। पूरा होने के प्रक्रम तक संपरिवर्तन लागत का समुचित अंश तब लेखे में लिया जाएगा जब कार्य की प्रगति की लागत की संगणना की जा रही हो। कार्य की प्रगति और तैयार माल की लागत अवधारित करने के लिए अंगीकृत प्रणाली में समरूपता का अनुसरण किया जाएगा।

16. लागत विवरण :

(1) निर्देशाधीन प्रत्येक उत्पाद के लिए चालू वित्तीय वर्ष और पूर्ववर्ती वर्ष की कुल भूमि, जोत भूमि, उत्पादन अपशिष्ट और विक्रय और लागत के सभी तत्वों के ब्यौरे दर्शाने वाला लागत विवरण प्रोफार्मा क, ख, ग ङ और च में तैयार किया जाएगा। उस उत्पाद का, जो ऐसे प्रसंस्करण से उत्पन्न हुआ है जो पश्चात्पूर्ति प्रसंस्करण के लिए कच्ची सामग्री है, मूल्यांकन पूर्ववर्ती स्थिति तक उत्पादन की लागत पर किया जाएगा।

(2) यदि कंपनी एक से अधिक उद्यान/विनिर्माणकारी यूनिट चला रही है तो प्रत्येक उद्यान/विनिर्माणकारी एकक के लिए ऊपर विनिर्दिष्ट रूप में पृथक् लागत विवरण तैयार किए जाएंगे।

17. उत्पादन अभिलेख :

(1) विभिन्न उद्यानों या संपदा से फसल उत्पाद और अन्य स्रोत से क्रय किए गए उत्पादों, यदि कोई हों, के विस्तृत अभिलेख, प्रसंस्कृत उत्पाद तथा संपरिवर्तन कारको, अर्थात् विनिर्मित या उत्पादित फसल उत्पाद और अंतिम उत्पाद का अनुपात बनाए रखने के लिए रखे जाएंगे। उत्पादन का अभिलेख ऐसे ब्यौरे में होगा जो कंपनी अपनी राय में उसको लागू सुसंगत प्रोफार्मा या किसी अन्य प्रोफार्मा में भरने की स्थिति में हो। संसाधन या प्रसंस्करण के लिए बाहरी अभिकरणों को भेजे गए उत्पादों के लिए और उनके लिए संदत्त प्रभाशों के लिए पृथक् अभिलेख भी रखे जाएंगे। क्वालिटी या आकार के अनुसार श्रेणीकृत उत्पाद की दशा में, श्रेणीकृत उत्पादों के लिए पूर्ण ब्यौरे रखे जाएंगे।

(2) सभी अंतिम उत्पाद चाहे वे पैक किए गए हों या पैक नहीं किए गए हों के लिए मात्रात्मक अभिलेख निर्देशाधीन उत्पादों के उत्पादन, विक्रय के लिए निर्गम और विभिन्न प्रकार के उत्पादों का अंशोष दर्शित करते हुए रखे जाएंगे।

18. लागत और वित्तीय लेखाओं का मिलान :

(1) लागत विवरणों का वित्तीय वर्ष के लिए वित्तीय विवरणों के साथ लागत अभिलेख या विवरण में विचार नहीं किए गए व्ययों या आयों को विनिर्दिष्ट रूप से उपदर्शित करते हुए इस प्रकार मिलान किया जाएगा जिससे उनकी शुद्धता निश्चित की जा सके और कंपनी के संपूर्ण लाभों में से निर्देशाधीन उत्पादों के लाभ का न्याय-निर्णयन किया जा सके। परिवर्तन, यदि कोई हो, स्पष्ट रूप से उपदर्शित किए जाएंगे और उनका स्पष्टीकरण दिया जाएगा।

(2) कंपनी द्वारा विभिन्न लेखाशीर्षों के अधीन उपगत सभी व्यय और प्राप्त आय और अन्य क्रियाकलापों या सेवाओं को लागू अंश, दर्शाने वाला एक विवरण प्रोफार्मा 'च' में तैयार किया जाएगा और उसका वित्तीय विवरणों के साथ मिलान

19. लागत अंतरों का समायोजन :

जहां कंपनी मानक लागत जैसे वास्तविक आंकड़ों से भिन्न लागत अभिलेख किसी आधार पर रखती है, वहां कंपनी, द्वारा ऐसी पद्धति के अधीन कंपनी द्वारा उत्पादों और सेवाओं की लागत की संगणना के लिए अनुसरित प्रक्रिया अभिलेख में उपदर्शित की जाएगी। लागत अंतरों को पृथक् शीर्षों के सामने दर्शाया जाएगा और सामग्री, श्रम, उपरिध्य और मात्रा में टूट-फूट, मूल्य और क्षमता अंतरों को विश्लेषित किया जाएगा। उत्पादों की वास्तविक लागत के अवधारण में लागत अंतरों के समायोजन के लिए अनुसरित पद्धति लागत अभिलेखों में स्पष्ट रूप से उपदर्शित की जाएगी। लागत अभिलेख या विवरण में अंतरों के कारणों को सम्यक् रूप से स्पष्ट किया जाएगा।

20. सांख्यिकीय अभिलेख :

(1) उत्पादकता और विभिन्न अनुभागों के लिए क्षेत्र अर्थात् नर्सरी, पुनःबागान आदि के संबंध में आंकड़े रखे जाएंगे। अनुभागानुसार काट-छांट के संबंध में भी ब्यौरे रखे जाएंगे।

(2) निर्देशाधीन उत्पादों हेतु नई परियोजनाओं की दशा में, परियोजना रिपोर्ट के अनुसार, विभिन्न स्त्रोंतों से इक्ठ्ठी की गई निधियों, उनके उपयोग, प्रक्रमवार उपगत लागत और परियोजना की प्रगति को उपदर्शित करते हुए समुचित अभिलेख रखे जाएंगे। लागत और लगे समय का कंपनी की सेवाओं/क्रियाकलापों और लाभदायिकता की लागत के प्रति निर्देश से विश्लेषण किया जाएगा।

(3) जहां भी विश्व व्यापार संगठन के उपबंध लागू होते हैं। देशीय और विश्व बाजार में उत्पाद की प्रतियोगिता और विश्व व्यापार संगठन के उपबंधों से उद्भूत प्रतियोगिता के समाघात से उपगत व्ययों, यदि कोई हो, की पहचान करने के लिए उचित अभिलेख रखे जाएंगे। विनिर्मित उत्पाद के बाजार अंश और देश में आयातित प्रतियोगी माल के कारण उस पर संभावित प्रभाव के यथोचित सांख्यिकीय अभिलेख भी रखे जाएंगे। ऐसे समुचित अभिलेख भी रखे जाएंगे जिनमें ऐसे विस्तृत ब्यौरे होंगे जो यह दर्शाने के लिए आवश्यक हो कि उत्पाद की निर्यात कीमत ऐसी नहीं है कि जनरल एग्रीमेंट ऑन ट्रेड एंड टैरिफ 94 के अनुच्छेद (vi) के अधीन प्रतिपात्रन उपायों के बारे में विश्व व्यापार संगठन के उपबंध लागू करने पर आयात करने वाले देश में पाटन के रूप में समझा जा सके।

21. कैपिटल उपभोग :

यदि निर्देशाधीन उत्पादों का उपयोग किसी कैपिटल उपयोग के लिए होता है तो स्वयं के उपभोग के लिए कंपनी के अन्य विभागों या यूनिटों को अंतरित और बाह्य पक्षकारों को बेची गई प्रत्येक मद की मात्रा और लागत दर्शित करने वाले समुचित अभिलेख पृथक् रखे जाएंगे।

22. प्रदूषण नियंत्रण :

पर्यावरण संरक्षण के लिए कंपनी द्वारा अनेक उपायों जैसे बहिःस्त्राव उपचार, वायु, जल, आदि से प्रदूषण नियंत्रण आदि पर उपगत व्यय समुचित रूप से अभिलिखित किया जाना चाहिए।

23. मानव संसाधनों का विकास :

कंपनी द्वारा मानव संसाधनों के विकास के क्रियाकलापों पर उपगत व्यय को पृथक् रूप से अभिलिखित किया जाएगा ।

24. अंतःकंपनी संव्यवहार :

(1) किसी कंपनी द्वारा अपनी नियंत्रि कंपनी या समनुषंगी अथवा किसी ऐसी कंपनी को, जिसे “संबद्ध पक्ष संबंध” कहा गया है, जैसा कि नीचे परिभाषित किया गया है और विपर्यय किए गए संबंध पक्षकार संव्यवहारों, किए गए प्रदायों अथवा दी गई सेवाओं की बाबत उनके द्वारा की गई संविदाओं, करारों या वचनबंधों को दर्शित करते हुए अभिलेख रखे जाएंगे—

(क) कच्ची सामग्री, तैयार उत्पाद, संसाधित सामग्री, रसायनों और स्कूप आदि सहित अस्वीकृत माल का क्रय और विक्रय ;

(ख) संयंत्र सुविधाओं और तकनीकी ज्ञान का उपयोग ;

(ग) उपयोगिताओं और किन्हीं सेवाओं का प्रदाय ;

(घ) प्रशासनिक, तकनीकी, प्रबंधकीय और/ अथवा कोई अन्य परामर्शदात्री सेवाएं ;

(ङ) संयंत्र और मशीनरी सहित पूंजीगत माल का क्रय और विक्रय ;

(च) निर्देशाधीन उत्पाद के उत्पादन, प्रसंस्करण या विनिर्माण से संबंधित कोई अन्य संदाय ;

इन अभिलेखों में ऐसे उत्पादों या सेवाओं के लिए प्रभारित या संदत्त दरों को तय करने के लिए अनुसरण किए गए आधारों को भी उपदर्शित किया जाएगा जिससे कि ऐसी दरों की युक्तियुक्तता का अवधारण किया जा सके जहां तक कि उनका संबंध किसी भी शीति में निर्देशाधीन उत्पाद से है ।

(2) निम्नलिखित “संबंधित पक्षकार संबंध” द्वारा किए गए संव्यवहार उपनियम (1) के अन्तर्गत आएंगे :—

(क) वे उद्यम जो प्रत्यक्षतः अथवा अप्रत्यक्षतः एक या अधिक मध्यवर्तियों के माध्यम से रिपोर्टगत उद्यम को (जिसके अन्तर्गत नियंत्रि कंपनी, समनुषंगी और सहयोगी समनुषंगी हैं) नियंत्रित करते हैं या उसके द्वारा नियंत्रित होते हैं अथवा उनके सामान्य नियंत्रण में हैं ;

(ख) रिपोर्टकर्ता उद्यम के सहबद्ध और सहउद्यम और वे विनिधान पक्षकार अथवा उद्यम जिनकी बाबत रिपोर्टकर्ता उद्यम कोई सहबद्ध अथवा सहउद्यम है ;

(ग) ऐसे व्यक्ति को, रिपोर्टकर्ता उद्यम में प्रत्यक्षतः अथवा अप्रत्यक्षतः मत देने की शक्ति में हित रखता है जो उन्हें उद्यम और किसी ऐसे व्यक्ति के संबंधी के ऊपर नियंत्रण अथवा महत्वपूर्ण असर प्रदान करता है ;

(घ) मुख्य प्रबंध कार्मिक और ऐसे कार्मिक के नातेदार ; और

(ङ) ऐसे उद्यम जिनके ऊपर (ग) अथवा (घ) में वर्णित कोई व्यक्ति महत्वपूर्ण असर का प्रयोग करने में समर्थ है। इसके अंतर्गत रिपोर्टकर्ता उद्यमों के निदेशकों अथवा प्रमुख श्रेयधारकों के स्वामित्वाधीन उद्यम जो रिपोर्टकर्ता उद्यम के साथ मुख्य प्रबंधन के सदस्य हैं।

यद्यपि, निम्नलिखित को “संबद्ध पक्षकार संबंध” नहीं समझा जाएगा :—

(क) उपर्युक्त पैरा (घ) अथवा (ङ) में किसी बात के होते हुए भी वे दो कंपनियां केवल मात्र इस कारण कि उनका एक सम्मिलित निदेशक है, (जब तक कि निदेशक दोनों कंपनियों के पारस्परिक व्यवहार में उनकी नीतियों को प्रभावित करने में समर्थ न हो) ;

(ख) कोई एकल उपभोक्ता, प्रदायकर्ता, विशेषाधिकारी, वितरक अथवा साधारण अभिकर्ता जिनके साथ कोई उद्यम कारबार का महत्वपूर्ण संव्यवहार मात्र आर्थिक निर्भरता के परिणामस्वरूप करता है ;

(ग) नीचे सूचीबद्ध पक्षकार, जो अपने सामान्य व्यवहार में किसी उद्यम के साथ केवल उन्ही व्यवहारों के कारण संव्यवहार करते हैं (यद्यपि वे उद्यम की कार्य करने की स्वतंत्रता को सीमित कर सकने अथवा उसकी विनिश्चय करने की प्रक्रिया में भाग ले सकेंगे) ;

(i) वित्त उपलब्ध कराने वाले ;

(ii) व्यापार संघ ;

(iii) लोक उपयोगिताएं ;

(iv) सरकारी विभाग और सरकारी अभिकरण जिनके अंतर्गत सरकारी प्रायोजित निकाय भी हैं।

स्पष्टीकरण—इन नियमों के प्रयोजन के लिए,—

(क) “संबद्ध पक्षकार संबंध” से वे पक्षकार अभिप्रेत हैं जिन्हें किसी भी समय रिपोर्टगत अवधि के दौरान संबंधित समझा गया हो, एक पक्षकार अन्य पक्षकार को नियंत्रित करने की योग्यता रखता हो अथवा वित्तीय और/या प्रचालनकारी विनिश्चयों के करने में अन्य पक्षकार के ऊपर महत्वपूर्ण असर रखता हो ;

(ख) “सहबद्ध पक्षकार व्यवहार” से संबंधित पक्षकारों के बीच संसाधनों अथवा दायित्वों का अंतरण अभिप्रेत है, चाहे उसके लिए कीमत प्रभाषित की गई हो या नहीं ;

(ग) “नियंत्रण” से,—

(i) किसी उद्यम की मतदान शक्ति के आधे से अधिक का प्रत्यक्षतः अथवा अप्रत्यक्षतः स्वामित्व ; या

(ii) किसी कंपनी की दशा में निदेशक बोर्ड की संरचना का नियंत्रण अथवा किसी अन्य उद्यम की दशा में तत्स्थानी शासी निकाय की संरचना का नियंत्रण ; या

(iii) मतदान शक्ति में सारवान हित और उद्यम की वित्तीय और/या प्रचालन नीतियों को कानून या करार द्वारा निदेश देने की शक्ति ।

(घ) “महत्वपूर्ण असर” से किसी उद्यम की वित्तीय और/या प्रचालन नीति विषयक विनिश्चयों में भाग लेना अभिप्रेत है किन्तु उन नीतियों का नियंत्रण करना नहीं ;

(ङ) “किसी सहयुक्त” से ऐसा उद्यम अभिप्रेत है जिसमें कोई विनिधानकारी रिपोर्टगत पक्षकार महत्वपूर्ण असर रखता है और जो उस पक्षकार का न तो समनुषंगी है और न सहउद्यम है ;

(च) “सहउद्यम” से कोई ऐसी संविदात्मक व्यवस्था अभिप्रेत है जिसके द्वारा दो या अधिक पक्षकार किसी आर्थिक क्रियाकलाप को करने का वचनबंध करते हैं, जो संयुक्त नियंत्रण के अधधीन है ;

(छ) “संयुक्त नियंत्रण” से आर्थिक क्रियाकलापकी वित्तीय और प्रचालन नीतियों को शासित करने की शक्ति संविदात्मक रूप से करार के अनुसार हिस्सा बांटना अभिप्रेत है जिससे कि इससे फायदा अभिप्राप्त किया जा सके ;

(ज) “मुख्य प्रबंध कार्मिक” से वे व्यक्ति अभिप्रेत हैं जिनके पास रिपोर्टकर्ता उद्यम के क्रियाकलापों का नियोजन, निदेशन और नियंत्रण करने का प्राधिकार और दायित्व है ;

(झ) किसी व्यक्ति के संबंध में, “नातेदार” से पति-पत्नी, पुत्र, पुत्री, भाई, बहन, पिता और माता अभिप्रेत हैं जो एक नातेदारी से संसक्त हो सकेंगे ;

(ञ) “नियंत्री कंपनी” से ऐसी कोई कंपनी अभिप्रेत है जिसकी एक या उससे अधिक समनुषंगी है ;

(ट) “समनुषंगी” से कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 4 के अर्थातर्गत कोई समनुषंगी कंपनी अभिप्रेत है ;

(ठ) “सहयोगी समनुषंगी” से वह कंपनी अभिप्रेत है जो किसी अन्य कंपनी की सहयोगी समनुषंगी है यदि दोनों उसी नियंत्री कंपनी की समनुषंगी हैं ;

(ड) “राज्य नियंत्रित उद्यम” से ऐसा उद्यम अभिप्रेत है जो केंद्रीय सरकार अथवा किसी राज्य सरकार के नियंत्रणाधीन है ।

प्रोफामा क

कंपनी का नाम :

संपदा या संकर्म का नाम और पता :

वर्ष या अवधि के दौरान उत्पादित और उपयोग की गई (1) जल, (2) विद्युत, (3) भाप, (4) बहिस्राव उपचार आदि जैसी उपयोगिताओं की लागत को दर्शित करने वाला विवरण

1. मात्रात्मक सूचना

क्रम सं.	विशिष्टियाँ	यूनिट	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
1.	स्थापित क्षमता			
2.	उत्पादित मात्रा			
3.	क्षमता का उपयोग			
4.	पुनःचक्रित मात्रा			
5.	क्रय की गई मात्रा, यदि कोई हो			
6.	अन्य हानियाँ सहित स्व-उपभोग (विनिर्दिष्ट किया जाए)			
7.	उपयोग किए गए शुद्ध यूनिट			

2. लागत सूचना :

क्रम सं.	विशिष्टियाँ	मात्रा	दर प्रति यूनिट (रुपए)	रकम (रुपए)	प्रति यूनिट लागत (रुपए)	
					चालू वर्ष (रुपए)	पिछला वर्ष (रुपए)
क.1.	सामग्री (विनिर्दिष्ट करें)					
	(क)					
	(ख)					
	(ग)					
2.	उपयोगिताएं (विनिर्दिष्ट करें)					
	(क)					
	(ख)					
	(ग)					
3.	मजदूरी और वेतन					
4.	उपभोग्य भंडार और पुर्जे					
5.	मरम्मत और अनुस्क्षण					
6.	अवक्षयण					

7.	अन्य सीधा व्यय, यदि कोई हो					
8.	अन्य उपरिख्य					
9.	योग					
10.	घटाए : जमा (यदि कोई हो)					
11.	शुद्ध योग					

ख. लागत केंद्र या क्रियाकलाप को प्रभाजित

- 1.
- 2.
- 3.
4. आदि

टिप्पण :

1. प्रत्येक उपयोगिता के लिए पृथक लागत पत्र तैयार किया जाना है ।
 2. यदि उपयोगिताओं में से कोई उपयोगिता जो कंपनी द्वारा विनिर्मित की जाती है और बाहरी पक्षकारों को विक्रय की जाती है, व्यष्टिक उपयोगिता को उत्पादन लागत में समुचित जमा किया जाना चाहिए ।
 3. यूनिट विनिर्दिष्ट विशेष लक्षणों को समाविष्ट करने के लिए, यदि कोई हों, उनके कारण उपदर्शित करते हुए, प्रोफार्मा समुचित रूप से उपांतरित किया जाए ।
- *. जो मर्दे लागू न हों उसे काट दें ।

प्रोफार्मा ख

कंपनी का नाम

संपदा का नाम और पता :

उत्पाद का नाम :

वर्ष या अवधि के दौरान तैयार की गई नर्सरी की लागत को दर्शित करने वाला विवरण

क. मात्रात्मक सूचना

क्रम सं.	विशिष्टियां	यूनिट	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
1.	नर्सरी के अधीन क्षेत्र - क्लोन्स :			
2.	नर्सरी के अधीन क्षेत्र - बीज :			
3.	नर्सरी के अधीन कुल क्षेत्र :			
4.	पादपकों की सं०			
	(क) क्लोन्स से अग्रणीत अतिशेष ; बागान के लिए प्रयुक्त ; विकृत या मृत ; अग्रणीत अतिशेष ;			
	(ख) बीजों से अग्रणीत अतिशेष बागान के लिए प्रयुक्त विकृत या मृत अग्रणीत अतिशेष			
	(ग) उपयोग किए गए कुल पौधे			

ख. लागत सूचना :

क्रम सं.	विशिष्टियां	मात्रा (यूनिट)	दर (रुपए)	रक्कम (रुपए)	लागत प्रति 100 पौधा	
					चालू वर्ष (रुपए)	पिछला वर्ष (रुपए)
1.	सामग्री (कृपया प्रमुख मदें विनिर्दिष्ट करें)					
2.	उपयोगिता (विनिर्दिष्ट करें)					
3.	मजदूरी और वेतन					
4.	अन्य सीधे व्यय, यदि कोई हो (विनिर्दिष्ट करें)					

5.	उपभोग्य भंडार					
6.	मरम्मत और अनुरक्षण					
7.	अवक्षयण					
8.	अन्य उपरिष्यय					
9.	नर्सरी की कुल लागत					
10.	घटाए : जमा (यदि कोई हो)					
11.	शुद्ध योग (9 - 10)					

ग.	उपयोग में लिए गए नर्सरी पौधे	पौधों की सं०	रकम
	1. बागान 1 (विनिर्दिष्ट करें)		
	2. बागान 2		
	3. बागान 3		
	योग		

टिप्पण :

1. बागान के प्रत्येक प्रकार की बाबत पृथक विवरण तैयार किया जाएगा ।
2. जो मर्दे लागू न हों उसे काट दें ।
3. यूनिट विनिर्दिष्ट विशेष लक्षणों को समाविष्ट करने के लिए, यदि कोई हों, उनके कारण उपदर्शित करते हुए, प्रोफार्मा समुचित रूप से उपांतरित किया जाए ।

प्रोफार्मा ग

कंपनी का नाम

संपदा का नाम और पता ।

उत्पाद का नाम ।

नए बागान, पुनःबागानीकरण या पुनरुद्धार के विकास को दर्शित करने वाला विवरण

संपदा या उद्यान का नाम

क. मात्रात्मक सूचना

क्रम सं.	विशिष्टियां	यूनिट	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
1.	भूमि का क्षेत्र			
2.	बागान का वर्ष			
3.	पौधों की सं०			
4.	पौधों का घनत्व प्रति हेक्टेअर			
5.	पौधा अनुपात (क्लोन -बीज)			
6.	पुनरुद्भूत करने की अवधि			

ख. लागत सूचना

क्र.सं.	विशिष्टियाँ	अद्यतन संराशिकृत अतिशेष	वर्ष के दौरान व्यय की गई रकम	अग्रणीत कुल रकम	पिछले वर्ष के दौरान व्यय की गई रकम
1.	सामग्री : (क) नर्सरी पौधों की लागत (प्रोफार्मा ख) (ख) उर्वरक (1) (2) (विनिर्दिष्ट किया जाए) (ग) अन्य (विनिर्दिष्ट करें)				
2.	वेतन और मजदूरी				
3.	उपभोग्य भंडार				
4.	मरम्मत और अनुरक्षण				
5.	अन्य सीधे व्यय (विनिर्दिष्ट करें)				
6.	अवक्षयण				
7.	अन्य उपरिव्यय				
8.	योग लागत (1 से 7) घटाएं जमा : (क) सरकार/बोर्ड से सहायिकी या अनुदान (ख) अन्य (विनिर्दिष्ट किया जाए)				
9.	शुद्ध विकास लागत				

टिप्पण :

- (1) प्रत्येक उद्यान/संपदा की बाबत विभिन्न विकास संकर्म के लिए पृथक विवरण तैयार किया जाएगा ।
- (2) नए बागान या पुनःबागान लगाने पर उपगत विकास व्यय व्यष्टिक बागान उद्योगों में अनुसरण किए गए साधारणतया स्वीकृत लेखा सिद्धांतों के अनुसार पुनरुद्भूत या पूंजीकृत या प्रभारित किया जाएगा
- (3) वर्षवार व्यय अभिलिखित करने के लिए स्तंभ केवल उदाहरणात्मक हैं ।
- (4) उस संपदा के लिए जिसके लिए पूंजी व्यय आवश्यक है, किसी अन्य विकास कार्यक्रम की दृष्टा में, समुचित प्रोफार्मा में उसके संकलन के लिए विस्तृत अभिलेख लागत अभिलेखों में सम्मिलित किए जाने के लिए रखे जाएं ।
- (5) यूनिट विनिर्दिष्ट विशेष लक्षणों को समाविष्ट करने के लिए, यदि कोई हों, उसके कारण उपदर्शित करते हुए प्रोफार्मा समुचित रूप से उपांतरित किया जा सकेगा ।

प्रोफार्मा घ

कंपनी का नाम

संपदा का नाम और पता :

उत्पाद का नाम :

वर्ष या अवधि के दौरान उत्पादित.....(फसल) के उत्पादन की लागत को दर्शित करने वाला विवरण

क. मात्रात्मक सूचना

क्रम सं.	विशिष्टियां	यूनिट	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
1.	क्षेत्र			
2.	बागान का वर्ष			
3.	पौधों का घनत्व प्रति हेक्टेअर			
4.	उपयुक्त बागान संबंधी सामग्री			
5.	काट-छांट किस्म			
6.	उत्पादित कुल मात्रा			
7.	अन्य यूनिटों को विक्रीत मात्रा			
8.	अपशिष्ट की मात्रा			
9.	कारखाना/संकर्मों को स्थानांतरित शुद्ध मात्रा (6 - 7 - 8)			
10.	तोड़ने या टेप लगाने के दिनों की सं०			
11.	तोड़ने या टेपिंग करने के मानव श्रम दिवसों की सं०			
12.	तोड़ने का औसत			

ख. लागत सूचना

क्र.सं.	विशिष्टियां	मात्रा (यूनिट)	दर/रकम	लागत प्रति यूनिट	
				चालू रकम	पिछली रकम
			(रु०)	(रु०)	(रु०)
1.	सामग्री (प्रमुख मदें विनिर्दिष्ट की जाएं)				
2.	मजदूरी और वेतन				
3.	उपभोग्य और पुर्जें				
4.	अन्य सीधे व्यय (कृपया विनिर्दिष्ट करें)				
5.	मरम्मत और अनुक्षण				
6.	विकास कार्यक्रम की लागत का पुनरुद्भूत करना				
7.	अवक्षयण				
8.	क्वालिटी नियंत्रण				
9.	अनुसंधान और विकास				
10.	अन्य उपरिख्य				

11.	कानूनी उपकर और शुल्क, यदि कोई हो				
12.	कुल लागत				
13.	घटाएँ उप-उत्पाद के लिए जमा				
14.	उत्पादन की शुद्ध लागत				

ग. निम्नलिखित में प्रयुक्त उत्पादन

	मात्रा	दर	रकम
1. और प्रसंस्करण के लिए अन्य विभाग			
2. संबद्ध पक्षकारों से संबंधित विक्रय			
3. अन्य विक्रय			
योग			

टिप्पण :

1. उद्यान/संपदा में उत्पादित या प्रसंस्कृत सभी प्रमुख प्रकार के उत्पादों की बाबत यह प्रोफार्मा पृथकतः भरा जाएगा ।
2. यदि उत्पादन का बिना और प्रसंस्करण के विक्रय किया जाता है, तो ऐसे विक्रयों पर उत्पादन की लागत या विक्रय और लाभ की संगणना करने के लिए पृथक प्रोफार्मा ड तैयार किया जाएगा ।
3. यूनिट विनिर्दिष्ट विशेष लक्षणों को समाविष्ट करने के लिए, यदि कोई हों, उसके कारण उपदर्शित करते हुए प्रोफार्मा समुचित रूप से उपांतरित किया जा सकेगा ।

॥॥॥

प्रोफार्मा ड

कंपनी का नाम

संपदा का नाम और पता :

उत्पाद का नाम :

..... को समाप्त होने वाले वर्ष के दौरान विनिर्मित या विक्रीत उत्पाद की लागत का विवरण

क. मात्रात्मक सूचना

क्रम सं.	विशिष्टियाँ	यूनिट	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
1.	उत्पादित फसल (प्रोफार्मा घ के अनुसार)			
2.	अन्य इकाइयों से क्रय की गई या प्राप्त फसल			
3.	योग फसल (1 + 2)			
4.	घटाएँ अपशिष्ट/शुष्कन, यदि कोई हो			
5.	शुद्ध फसल (3 - 4)			
6.	उत्पादित तैयार उत्पाद			
7.	घटाएँ तैयार उत्पाद के लिए अपशिष्ट			
8.	शुद्ध तैयार उत्पाद (6 - 7)			
9.	5 : 8 का अनुपात			
10.	तैयार उत्पादों की संस्थापित क्षमता			
11.	कैपटिव उपभोग के लिए प्रयुक्त मात्रा			

12.	विक्रीत मात्रा (क) घरेलू (ख) निर्यात			
13.	अंत स्टॉक			
14.	आरंभिक स्टॉक			

ख. लागत सूचना

क्र.सं.	विशिष्टियां	मात्रा	दर	रकम	लागत प्रति यूनिट	
					चालू वर्ष	पिछला वर्ष
		(यूनिट)	(रु०)	(रु०)	(रु०)	(रु०)
1.	प्रोफार्मा घ के अनुसार उत्पादित फसल					
2.	क्रय की गई फसल					
3.	अन्य सामग्री (विनिर्दिष्ट करें)					
4.	कुल सामग्री लागत (1 से 3)					
5.	उपयोगिताएं (विनिर्दिष्ट करें)					
6.	मजदूरी और वेतन					
7.	संदत्त प्रसंस्करण प्रभार					
8.	अन्य सीधे व्यय, यदि कोई हो					
9.	उपभोग्य भंडार					
10.	मरम्मत और अनुरक्षण					
11.	अवक्षयण					
12.	पट्टा भाड़ा, यदि कोई हो					
13.	स्वामिस्व या तकनीकी ज्ञान शुल्क, यदि कोई हो					
14.	अनुसंधान और विकास व्यय					
15.	परीक्षण या परीक्षण व्यय (क्वालिटी नियंत्रण)					
16.	अन्य उत्पादन उपरिव्यय					
17.	उपकरण यदि कोई हो (विनिर्दिष्ट करें)					
18.	प्रशासनिक उपरिव्यय (क) वेतन और मजदूरी (ख) श्रम कल्याण लागत (ग) अन्य (विनिर्दिष्ट करें) योग					
19.	कुल लागत					
20.	स्टॉक समायोजन (कार्य प्रवृत्ति पर)					
21.	घटाएं उपउत्पाद या अपशिष्ट के लिए जमा					
22.	उत्पादन की शुद्ध लागत					
23.	स्टॉक समायोजन (अंतिम उत्पाद)					
24.	पैकिंग या पैकेजिंग लागत					
25.	विक्रय और वितरण उपरिव्यय (क) वेतन और मजदूरी (ख) भाड़ा और परिवहन (ग) भांडागारण (घ) अभिकर्ता को कमीशन (ङ) विज्ञापन व्यय अन्य, विनिर्दिष्ट करें					
26.	विक्रय की लागत					

27.	ब्याज और वित्तीय प्रभार (क) विनिर्माणकारी क्रियाकलाप के लिए (ख) अन्य (विनिर्दिष्ट करें) (ग) योग					
28.	कुल लागत					
29.	विक्रय वसूली					
30.	अंतर (29 - 28)					
31.	जोई (1) सरकार या बोर्ड से सहायिकी या अनुदान (2) निर्यात फायदे और प्रोत्साहन, यदि कोई हो					
32.	कुल अंतर (30 + 31)					

टिप्पण :

- यथासाध्य उत्पाद के प्रत्येक मुख्य/प्रमुख प्रकार और श्रेणी की बाबत पृथक लागत सीट रखी जाएगी।
- विभिन्न उत्पादों के लिए निवेश या निर्गम का अनुपात पृथकतः लागत सीट में उपदर्शित किया जाएगा।
- यथासाध्य इस प्रोफार्मा में उस आधार का जिस पर उत्पाद की विभिन्न श्रेणियों में लागत प्रभाजित की जाती है, उनके विक्रय, वसूली सहित उपदर्शित किया जाएगा।
- देश के भीतर विक्रीत मात्रा और निर्यातित मात्रा के लिए पृथक प्रोफार्मा तैयार किया जाएगा। निर्यात पर उपगत व्ययों और उस पर उपार्जित प्रोत्साहनों को उत्पादित और निर्यातित क्वालिटी के लिए इस प्रोफार्मा में उपदर्शित किया जाएगा।
- यूनिट विनिर्दिष्ट विशेष लक्षणों को समाविष्ट करने के लिए, यदि कोई हों, उसके कारण उपदर्शित करते हुए प्रोफार्मा समुचित रूप से उपांतरित किया जा सकेगा।
- इन नियमों में यथापरिभाषित संबंधित पक्षकार अंतरणों की बाबत पृथक प्रोफार्मा तैयार किया जाएगा।

प्रोफार्मा च

कंपनी का नाम

..... को समाप्त होने वाले वर्ष के दौरान परिशिष्ट के अधीन आने वाली क्रिया कलापों और अन्य क्रियाकलापों के बीच कंपनी के कुल व्ययों या आय के आबंटन या प्रभाजन को दर्शित करने वाला विवरण

क्रम सं.	विशिष्टियां	वास्तविक कुल व्यय	परिशिष्ट के अधीन आने वाले उत्पादों को लागू शेयर			अन्य क्रियाकलापों को लागू शेयर	आबंटन का आधार
1.	सामग्री और प्रदाय		बागान	प्रसंस्करण	अन्य (विनिर्दिष्ट किए जाएं)		
2.	उपभोज्य प्रसंस्करण सामग्रियां						

3.	उपयोगिताएं (क) विद्युत (ख) ईंधन (ग) भाप (घ) बहिस्त्राव उपचार (ङ) अन्य (विनिर्दिष्ट करें)						
4.	सीधा वेतन और मजदूरी						
5.	खपने वाले भंडार और पुर्जे						
6.	मरम्मत और अनुस्क्षण						
7.	अवक्षयण						
8.	परिवहन प्रभार						
9.	क्वालिटी नियंत्रण						
10.	स्वामिस्व या तकनीकी/पट्टा भाड़ा						
11.	अनुसंधान और विकास						
12.	संकर्म उपरिध्यय						
13.	प्रशासनिक उपरिध्यय						
14.	कार्य प्रगति के आरंभ और अंत के बीच अंतर में समायोजन						
15.	घटाएं वसूलियों के लिए जमा						
16.	घटाएं स्व उपभोग, यदि कोई हो						
17.	तैयार उत्पाद के आरंभ और अंत के बीच अंतर में समायोजन						
18.	योग (1 से 17)						
19.	पैकिंग व्यय						
20.	ब्याज						
21.	विक्रय और वितरण व्यय						
22.	लागत में सम्मिलित न होने वाला कोई अन्य व्यय						
23.	घटाएं लागत में विचार में न ली गई कोई अन्य आय						
24.	उत्पाद शुल्क को छोड़कर कुल लागत						
25.	उत्पाद शुल्क को छोड़कर कुल विक्रय वसूली जोड़ें (1) सरकार या बोर्ड से सहायिकी या अनुदान (2) निर्यात फायदे और प्रोत्साहन, यदि कोई हो						
26.	अंतर (25-24)						

टिप्पण :

1. लागत केन्द्र केवल उदाहरणात्मक हैं ।
2. इस प्रोफार्मा में आय और व्यय की सभी मदों को सुसंगत अवधि/वर्ष के लिए वित्तीय लेखों में मिला लिया जाएगा ।

[फा. सं. 52/21/सीजी-2001]

राजीव महर्षि, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF FINANCE AND COMPANY AFFAIRS

(Department of Company Affairs)

NOTIFICATION

New Delhi, the 8th October, 2002

G.S.R. 685 (E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 642, read with clause (d) of sub-section (1) of section 209 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), the Central Government hereby makes the following rules, namely:—

1. Short title and commencement- (1) These rules may be called the Cost Accounting Records (**Plantation Products**) Rules, 2002.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Application - These rules shall apply to every company engaged in production, processing or manufacture of product(s) as specified in the Appendix to these rules:

Provided that these rules shall not apply to a company, -

(a) the aggregate value of machinery and plant installed wherein, as on the last date of the preceding financial year, does not exceed limit as specified for a small scale industrial undertaking under the provisions of Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951); and

(b) the aggregate value of the turnover made by the company from sale or supply of all its products during the preceding financial year does not exceed ten crores of rupees.

3. Maintenance of records: —

(1) Every company to which these rules apply shall, in respect of each of its financial year commencing on or after the commencement of these rules, keep proper books of account relating to utilisation of materials, labour and other items of cost in so far as they are applicable to any of the products referred to in the Appendix. The books of account, so maintained, shall contain, *inter-alia*, the

particulars specified in Schedule annexed to these rules and Proformae A, B C, D, E and F mentioned in the said Schedule:

Provided that if the said company is manufacturing any other product(s) or is engaged in other activities in addition to product(s) referred to in the Appendix, the particulars relating to utilisation of materials, labour and other items of cost in so far as they are applicable to such other products or activities shall not be included in the cost of the product(s) referred to in the Appendix.

(2) The books of account referred to in sub-rule (1) shall be kept on a regular basis in such a manner as to make it possible to calculate the cost of production and cost of sales of product(s) under reference for every financial year from the particulars entered therein and every such books of account and the proformae specified in the said Schedule, shall be completed not later than ninety days from the close of the financial year of the company to which it relates.

(3) The statistical and other records shall be maintained in accordance with the provisions of the Schedule to these rules in such a manner as to enable the company to exercise, as far as possible, control over the various operations and costs with a view to achieve optimum economies in cost. These records shall also provide the necessary data required by the Cost Auditor to suitably report on all the points referred to in the Cost Audit (Report) Rules, 2001 as amended from time to time.

(4) It shall be the duty of every person, referred to in sub-section (6) and (7) of section 209 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), to take all reasonable steps to secure compliance by the company with the provisions of sub-rules (1), (2) and (3) of this rule in the same manner as he is liable to maintain accounts required under sub-section (1) of section 209 of the said Act.

- 4. Penalty** – If a company contravenes the provisions of rule 3, the company and every officer thereof who is in default, including the persons referred to in sub-rule (4) of rule 3 shall, be punishable as provided under sub-section (2) of section 642 read with sub-sections (5) and (7) of section 209 of Companies Act, 1956 (1 of 1956).

**Appendix
(see rule 2)**

List of plantation products for which the rules shall apply.

1. Tea and tea products
2. Coffee and coffee products
3. Other commercial plantation products including seeds thereof.

SCHEDULE
[see rule 3]**1. MATERIALS**

- (1) The proper records shall be maintained showing separately all receipts, issues and balances both in quantities and values of each item of input materials required for production, processing or manufacturing of products referred to in Rule 2. These records shall contain such details so as to enable the company to determine the quantity and cost of receipt (including all direct charges up to Estate/works in respect of materials) issues and balances in quantity as well as value of each item of all such materials used in raising of nursery, clones, plantlets, shade management, cultivation of new sections, re-plantation of the sections, regular maintenance of existing plantation sections and processing of products produced. The basis on which said quantities and costs of issue and consumption have been calculated shall be indicated in the cost records and followed consistently. In the case of imported materials proper records shall be maintained showing FOB value, overseas freight, insurance, customs duty and inland freight charges etc. If both indigenous and imported materials are consumed, the records showing details of percentage mix of the same have to be maintained for each item. In the case of imported materials, proper records shall be maintained showing license-wise allowed quantities, actual quantities imported, actual quantities consumed, quantities in stock and quantities yet to be imported out of total licensed quantities. Proper records shall also be maintained showing the quantity and cost of any material recovered from waste and re-used for producing, processing or manufacture of product(s) referred under rule 2.
- (2) The proper record shall be maintained to show the receipts, issues both in quantity and cost of each item of consumable stores, tools, spares etc. The cost of consumption of consumable stores, small tools and spares etc. shall be charged to relevant cost center or department on the basis of actual issues. In case of consumables stores and tools the value of which are not significant, the company may, if so desires, maintain such records for the main group of such items.
- (3) The proper records shall be maintained showing the quantity and value of wastage, spoilage, rejections and losses of materials, process materials, consumable stores whether in transit, storage, or at any other stage. The method followed for adjusting the above losses as well as income derived from the disposal of rejected and waste materials including spoilage, if any, shall be indicated in the cost records.
- (4) The proper records shall also be maintained to indicate the value of materials and components which have not moved for more than twelve months.
- (5) If any of the materials purchased such as green leaves is processed in house or by an outside party, proper records shall be maintained for the quantity purchased and processed in house, quantity sent for processing outside, quantity

received after processing, by products received, if any, and the cost involved in processing.

- (6) Where any credit under Central Value Added Tax (CENVAT) under the Central Excise Act, 1944 (1 of 1944) or any other benefits of the nature of CENVAT Credit are received or receivable on any item of material and/or consumable stores or spares, the cost of such material and/or consumable stores or spares should be shown after adjusting such credit or benefits.

2. SALARIES AND WAGES:

- (1) The proper records shall be maintained to show the attendance and earnings of all employees of the cost centres or estate and the work on which they are employed. The records shall also indicate the following separately for each cost centre or estate:
- (a) piece rate wages (wherever applicable);
 - (b) incentive wages, either individually or collectively as production bonus or under any other scheme based on output;
 - (c) overtime wages;
 - (d) earnings of casual or contractual labour;
 - (e) bonus or gratuity, statutory as well as other;
 - (f) contribution to superannuation scheme; and
 - (g) any other earning of the nature specified in (a) to (f) above.
- (2) The records shall be maintained in such a manner as to enable the company to furnish necessary particulars under this head in Proformae A, B, C, D, E and F of Schedule annexed to these rules. The records may be maintained to book these expenses section-wise under nursery, shade management, immature plantation, and replantation, regular up keep and maintenance of existing plantation and processing or manufacturing of products. Where the employees work in such a manner that it is not possible to identify them with any specific cost centre or product, the labour charges shall be apportioned to the cost centres or products on equitable and reasonable basis and applied consistently.
- (3) The idle labour cost shall be separately recorded under classified headings indicating the reasons therefore. The method of accounting followed for accounting of idle time payments in determining the cost of the product shall be disclosed in the cost records.
- (4) Any wages and salaries allocable to capital works, such as, additions to plant and machinery, buildings or other fixed assets shall be accounted for under the relevant capital heads. Similarly, payments in the nature of deferred revenue expenditure shall be separately recorded under separate classified headings indicating the reasons therefore. The method followed for accounting of such payments in determining the cost of the product shall be on equitable and reasonable basis and applied consistently. The said method shall be disclosed in the cost records also.

- (5) The cost of termination benefits payable to employees shall be separately recorded under separate heads. The method followed for such cost in determining the cost of products referred to in the Appendix shall be on equitable and reasonable basis, applied consistently and disclosed separately. Subject to the accounting standard or guidelines issued by the Institute of Chartered Accountants of India in this regard, only the termination benefits say in respect of voluntary retirement scheme, which are payable in addition to the normal retirement benefits and are likely to provide benefits in terms of savings in cost in future shall be treated as deferred revenue expenditure over a period not exceeding five years. These costs shall not form part of salaries and wages and shall be shown separately. Such costs shall be excluded from valuation of inventories since these do not result in putting the inventories to their present location and condition.

3. SERVICE DEPARTMENT EXPENSES:

The detailed records shall be maintained to indicate expenses incurred in respect of major service department or cost centre. These expenses shall be apportioned to other services production and processing departments on equitable and reasonable basis and applied consistently. Where these services are utilised for other products or activities of the company also, the basis of apportionment of such expenses to the products referred to in the Appendix and to other products or activities shall be on equitable and reasonable basis and applied consistently.

4. UTILITIES:

- (1) **Water** - The proper records showing the quantity and cost of water consumed, if any for the production, process, manufacture of product under reference shall be maintained. The cost of water shall be apportioned to the different cost centers or departments concerned on equitable and reasonable basis and applied consistently.
- (2) **Steam** - Where steam is raised by the company, proper records showing the quantity and cost of steam raised and consumed for the production, processing or manufacturing of the product(s) referred to in the Appendix shall be maintained. The cost of steam consumed by various units of the company shall be apportioned on equitable and reasonable basis and applied consistently. Where steam is raised and supplied by any other unit of the company to the referred product, the cost of steam so supplied shall be charged to the referred product on equitable and reasonable basis and applied consistently.
- (3) **Power** - Where power is purchased, proper records shall be maintained for the units and cost of power consumed for the product(s) under reference in different cost centers or departments. Where the company itself generates power, adequate records showing all elements of cost shall be maintained to show the cost of power generated and consumed for the product(s) under reference in different cost centers or departments.

- (4) Other Utilities - The proper records showing the quantity and cost shall be maintained in respect any other utilities purchased or produced by the company for the production, processing or manufacturing of product(s) under reference, the cost of these utilities shall be apportioned to the product(s) on equitable and reasonable basis and applied consistently. The cost statements of each utility shall be maintained in proforma 'A'.

5. REPAIRS AND MAINTENANCE

- (1) The proper records showing the expenditure incurred on repairs and maintenance of roads and fencing, drip irrigation systems, buildings and equipment etc in the various sections of estates or cost centers etc shall be maintained. The records shall also indicate the basis of charging such repairs and maintenance expenses to different cost centres or departments.
- (2) The records should indicate the amount and also the proportion of closing inventory of stores and spare parts representing items, which have not moved for over twenty-four months.
- (3) The expenditure on major repair work from which benefit is likely to accrue for more than one financial year shall be allocated over the period expected to benefit on equitable and reasonable basis and applied consistently. Such costs shall be shown separately and the method of accounting along with the basis of allocation of such costs shall also be clearly indicated in cost records.

6. DEVELOPMENT COST OF LANDS, NEW PLANTATION OR RE-PLANTATION:

- (1) The proper record shall also be maintained for new plantation/re-plantation development. These records shall indicate expenses on manuring, sapling, and plantation, pesticides, weedicides, infilling. These records shall be maintained section wise and year wise.
- (2) The expenses incurred on development of land, and new plantation/re-plantation shall be capitalised or charged off in accordance with the accounting standard/guidelines issued by the Institute of Chartered Accountants of India or other generally accepted accounting principles followed in respective plantation industries.
- (3) In case new plantation or re-plantation yields some crops during its period of immaturity, credit for sale of such crop shall be given to the development costs. The subsidy received from Government or Commodity Board each year till the new planted or replanted section matures shall be credited to the development cost of new plantation or re-plantation subject to accounting standard or guidelines issued by the Institute of Chartered Accountants of India. The net capitalised cost shall be amortised over its useful life beginning for the year in which the plantation/re-plantation becomes mature and gives regular yield of crop. In case leasehold land is developed and the lease period is shorter than the

life of plantation, then the net capitalised cost of plantation should be amortised over the remaining lease period.

7. FIXED ASSETS AND DEPRECIATION:

- (1) The proper and adequate records shall be maintained for assets used for each of the products under reference in respect of which depreciation has to be provided for. These records shall inter-alia, indicate the cost of acquisition of each item of asset including installation charges, capitalised cost of plantation or replantation, date of acquisition/ plantation and rate of depreciation. The adequate records shall be maintained to enable the company to identify the capital employed, net fixed assets and working capital separately for the product(s) under reference and other activities or product(s). Fresh investment on fixed assets that have not contributed to the product(s) referred to in the Appendix shall be indicated in the cost record.
- (2) The basis on which depreciation is calculated and allocated or apportioned to various cost centres or departments and absorbed on such products shall be clearly indicated in the cost records. If depreciation charged or chargeable to the cost centres or departments is in excess or lower than the depreciation calculated by applying the rates of depreciation prescribed under the provisions of section 205 of the Companies Act, 1956, such amount of excess or lower depreciation shall be indicated clearly in the cost records. The cost records shall also show the effect of such excess or lower depreciation, as the case may be, on the per unit cost of activity. The cumulative depreciation charged in the cost records, against any individual item of asset shall not, however, exceed the original cost of the respective asset.

8. OTHER OVERHEADS:

- (1) The proper records shall be maintained for the product(s) under reference showing the various items of expenses comprising the other overheads. These expenses shall be analysed, classified and grouped according to functions, namely, up keep and maintenance of plantation, manufacturing, administration and sales etc.
- (2) Where the company is manufacturing product(s) other than the product(s) under reference, the records shall clearly indicate the basis followed for apportionment of the common overheads including head office expenses of the company to such product(s) and to other product(s) or activities including capital works. Where certain expenses forming part of overheads can be identified with a particular activity or a product, such expenses shall be first segregated and charged to the relevant activity or product and thereafter the residual expenses under the above categories of overheads shall be apportioned on equitable and reasonable basis and applied consistently. The overheads chargeable to capital works shall be indicated separately in the cost records. The basis of apportionment or absorption of overheads to the cost centres and the products shall be indicated in the cost records.

9. ROYALTY OR TECHNICAL KNOW-HOW FEE OR LEASING CHARGES:

- (1) The adequate records shall be maintained showing royalty and/or technical know-how fee including other recurring or non-recurring payments of similar nature if any, made for the product(s) under reference to collaborators or technology suppliers in terms of agreements entered into with them. Such records shall be kept separately in respect of each such collaborator or supplier. The basis of charging such amount, including lump sum payment and its treatment shall be indicated in the cost records.
- (2) In the case of leasing arrangements, proper record shall be maintained showing details of terms and conditions, leasing charges paid or payable as well as received or receivable.
- (3) If a lease land is developed and the lease period is shorter than the life of plantation, the period of lease and conditions for future renewals of lease shall be indicated in the record.

10. RESEARCH AND DEVELOPMENT EXPENSES:

- (1) The proper records showing the details of expenses, if any, incurred by the company on the research and development work related product(s) under reference shall be maintained. Proper records for the contribution to any outside Research and Development organisation to avail of the benefits of research in the augmentation of productivity, quality or value of product should be maintained.
- (2) The method of charging these expenses to the cost of product(s) under reference and all other products or activities shall be indicated in the cost records. Where the utility of such research and development work extends over more than one financial year, such expenses shall be treated as deferred revenue expenses and charged to the cost of product(s) under reference and all other products or activities if any, on equitable and reasonable basis and applied consistently. The detailed criteria on which it has been decided to extend the utility period of these expenses to more than one financial year shall be disclosed in the cost records. The following criteria, which are only indicative and not exhaustive, may be adopted in such cases:
 - (1) the output or process is clearly defined and the costs attributable to the output or process can be separately identified;
 - (2) the technical feasibility of the output or process has been demonstrated;
 - (3) the management of the enterprise has indicated its intention to produce and market or use the output or process;
 - (4) there is a reasonable indication that current and future research and development costs to be incurred on the project together with expected production, administrative and selling costs are likely to be more than covered by related future revenues or benefits; and
 - (5) adequate resources exist or are reasonably expected to be available to complete the project and market the output or process

- (3) The expenses incurred by the Research and Development Department for providing technical know-how to outsiders shall be recorded separately and excluded from the cost of product(s) under reference. The amount recovered for providing technical know-how to outsiders shall also be indicated separately and excluded from the income arising from the sale of product(s) under reference.

11. EXPENSES OR INCENTIVES ON EXPORTS:

The proper records showing the expenses incurred on the export sales, if any, of the product(s) under reference shall be separately maintained so that the cost of export sales can be determined correctly. Separate cost statement shall be prepared for product(s) exported giving details of export expenses incurred and incentive earned. In case, duty free imports of input materials are made, the cost statements should reflect this fact.

12. TASTING/TESTING (Quality Control)

- (1) Proper records shall be maintained showing date wise tasting or testing results i.e. quality index of different samples against different grades of product manufactured.
- (2) Detailed records of expenses incurred on expenses on tasting or testing for the whole year shall also be kept so as to assess the over all achievement in terms of quality of product manufactured in the garden.

13. PACKAGING AND PACKING

- (1) Proper records shall be maintained showing the quantity and cost of various packaging materials and other expenses incurred for packaging the product(s) under reference.
- (2) Detailed records of expenses incurred on expenses on export packaging and packing if any, shall also be kept separately and exhibited in the relevant cost statement for exports.

14. INTERESTS AND BORROWING COST:

The proper records shall be maintained for money borrowed separately for each project and/or working capital and interest charges thereon. The amount of interest shall be allocated or apportioned to the product(s) under reference and other products or activities on equitable and reasonable basis and applied consistently. The basis of further charging of the share of the interest to the various types of such products shall also be equitable and reasonable and applied consistently. The basis of such allocation or apportionment shall be spelt out clearly in the cost records and statements. Net borrowing cost incurred on borrowed money or outlays for projects under execution, shall be capitalised for the period up to the date of commencement of commercial activities.

15. WORK IN PROGRESS AND FINISHED STOCK:

The method followed for determining the cost of work in progress and finished stock of the outputs shall be indicated in the cost records so as to reveal the cost element that have been taken into account in such computation. The appropriate share of conversion cost up to the stage of completion shall be taken into account while computing the cost of work in progress. The method adopted for determining the cost of work in progress and finished goods shall be followed consistently.

16. COST STATEMENTS

- (1) The cost statements showing details of total land, cultivated land, production, wastage and sales and all elements of cost of the current financial year and previous year shall be prepared for each product under reference in Proformae A, B, C, D, E and F. The product emerging from a process which forms raw material for a subsequent process, shall be valued at the cost of production upto the previous stage.
- (2) If the company is operating in more than one garden/manufacturing unit, separate cost statements as specified above shall be maintained in respect of each such garden or manufacturing unit.

17. PRODUCTION RECORDS:

- (1) The detailed records of crop produce from different gardens or estate and purchased from other source, if any, shall be maintained to keep account of produce processed and the conversion factor i.e. ratio of crop produce and finished product(s) manufactured or produced. The records of production shall be in such details that the company is in a position to fill in the relevant proforma or any other proforma thereto applicable. Separate records shall also be maintained for the products sent to outside agencies for curing or processing and charges paid thereof. In case product is graded according to quality or size, complete details shall be maintained for graded products.
- (2) Quantitative records of all finished goods, whether packed or unpacked, showing production, issues for sales and balances of different types of the product(s) under reference shall be maintained.

18. RECONCILIATION OF COST AND FINANCIAL ACCOUNTS:

(1) The cost statements shall be reconciled with the financial statements for the financial year specifically indicating the expenses or incomes not considered in the cost records or statements so as to ensure accuracy and to adjudge the profit of the product under reference with the overall profit of the company. The variations, if any, shall be clearly indicated and explained.

(2) A statement showing the total expenses incurred and income received by the company under different heads of accounts and the share applicable to other

activities or services shall be prepared in Proforma F and reconciled with the financial statement.

19. ADJUSTMENT OF COST VARIANCES:

Where the company maintains cost records on any basis other than actual such as standard costing, the records shall indicate the procedure followed by the company in working out the cost of the products and services under such system. The cost variances shall be shown against the separate heads and analysed into material, labour, and overheads and further segregated into quantity, price and efficiency variances. The method followed for adjusting the cost variances in determining the actual cost of the product(s) shall be indicated clearly in the cost records. The reasons for the variances shall be duly explained in the cost records and statements.

20. STATISTICAL RECORDS:

1. Data regarding productivity and area under different sections namely nursery, re-plantation etc. shall be maintained. Details regarding section wise pruning shall also be maintained.
2. In the case of new projects for product under reference, proper records shall be maintained indicating the funds raised from different sources, their utilisation, stage-wise cost incurred and progress of the project as per the project report. Cost and time over run shall also be analysed with reference to the cost of services/ activity and profitability of the company
3. Whenever World Trade Organisation provisions are attracted, proper records shall be maintained to identify the competitiveness of the product in the domestic as well as global market and the expenses, if any, incurred to combat the competition arising out of World Trade Organisation provisions. Adequate statistical records shall also be maintained to identify the market share of the product manufactured and the likely impact thereon on account of competitive goods imported in to the country. Proper records shall also be maintained, containing such details as may be necessary to show that the export price of the product is not such as to be construed as dumping in the importing country, by applying the provisions of World Trade Organisation regarding anti dumping measures under Article VI of General Agreement on Trade and Tariff 94.

21. CAPTIVE CONSUMPTION:

If product(s) under reference are used for captive consumption, proper records shall be maintained showing the quantity and cost of each item of output transferred to other department or units of the company for self-consumption and sold to outside parties separately.

22. POLLUTION CONTROL:

The Expenditure incurred by the company on various measures to protect the environment like effluent treatment, control of pollution of air, water, etc., should be properly recorded.

23. HUMAN RESOURCES DEVELOPMENT:

Expenditure incurred by the company on the human resources development activity shall be recorded separately.

24. INTER COMPANY TRANSACTIONS:

(1) In respect of related party transactions or supplies made or services rendered by a company to its holding company or subsidiary or a company termed "related party relationship" as defined below and vice-a-versa, records shall be maintained showing contracts entered into, agreements or understanding reached in respect of:

- (a) purchase and sale of raw materials, finished products, process materials, chemicals and rejected goods including scraps, etc;
- (b) utilisation of plant facilities and technical know-how;
- (c) supply of utilities and any other services;
- (d) administrative, technical, managerial and/or any other consultancy services;
- (e) purchase and sale of capital goods including plant and machinery;
- (f) any other payment related to production, processing or manufacturing of product under reference.

These records shall also indicate the basis followed for arriving at the rates charged or paid for such products or services so as to enable determination of the reasonableness of such rates in so far as they are in any way related to product under reference.

(2) The transactions by the following "related party relationships" shall be covered under sub rule (1): -

- (a) enterprises that directly, or indirectly through one or more intermediaries, control, or are controlled by, or are under common control with, the reporting enterprise (this includes holding companies, subsidiaries and fellow subsidiaries);
- (b) associates and joint ventures of the reporting enterprise and the investing party or venturer in respect of which the reporting enterprise is an associate or a joint venture;
- (c) individuals owning, directly or indirectly, an interest in the voting power of the reporting enterprise that gives them control or significant influence over the enterprise, and relatives of any such individual;
- (d) key management personnel and relatives of such personnel; and

- (e) enterprises over which any person described in (c) or (d) is able to exercise significant influence. This includes enterprises owned by directors or major shareholders of the reporting enterprise and enterprises that have a member of key management in common with the reporting enterprise.

However, the following shall not be deemed as "related party relationships": -

- (a) Two companies simply because they have a Director in common, notwithstanding paragraph (d) or (e) above (unless the Director is able to affect the policies of both companies in their mutual dealings);
- (b) a single customer, supplier, franchiser, distributor, or general agent with whom an enterprise transacts a significant volume of business merely by virtue of the resulting economic dependence; and
- (c) the parties listed below, in the course of their normal dealings with an enterprise by virtue only of those dealings (although they may circumscribe the freedom of action of the enterprise or participate in its decision-making process);
 - (i) providers of finance;
 - (ii) trade unions;
 - (iii) public utilities;
 - (iv) government departments and government agencies including government sponsored bodies.

Explanations: - for the purpose of these Rules,-

(a) "related party relationships" means parties who are considered to be related if at any time during the reporting period one party has the ability to control the other party or exercise significant influence over the other party in making financial and/or operating decisions;

(b) "related party transaction" means a transfer of resources or obligations between related parties, regardless of whether or not a price is charged;

(c) "control" means (i) ownership, directly or indirectly, of more than one-half of the voting power of an enterprise; or

(ii) control of the composition of the Board of Directors in the case of a company or of the composition of the corresponding governing body in case of any other enterprise; or

(iii) a substantial interest in voting power and the power to direct, by statute or agreement, the financial and/or operating policies of the enterprise;

(d) "significant influence" means participation in the financial and/or operating policy decisions of an enterprise, but not control of those policies;

(e) **“an Associate” means** an enterprise in which an investing reporting party has significant influence and which is neither a subsidiary nor a joint venture of that party;

(f) **“a Joint venture” means** a contractual arrangement whereby two or more parties undertake an economic activity, which is subject to joint control;

(g) **“Joint control” means** the contractually agreed sharing of power to govern the financial and operating policies of an economic activity so as to obtain benefits from it;

(h) **“key management personnel” means** those persons who have the authority and responsibility for planning, directing and controlling the activities of the reporting enterprise;

(i) **“relative” means** in relation to an individual, means the spouse, son, daughter, brother, sister, father and mother who may be connected by blood relationships;

(j) **“holding company” means** a company having one or more subsidiaries;

(k) **“subsidiary” means** a subsidiary within the meaning of Section 4 of the companies Act, 1956(1 of 1956);

(l) **“fellow subsidiary” means** a company is said to be a fellow subsidiary of another company if both are subsidiaries of the same holding company;

(j) **“state-controlled enterprise” means** an enterprise, which is under the control of the Central Government or State Government.

PROFORMA A

Name of the Company:

Name and address of Estate or Works:

Statement showing the cost of Utilities likes (1) Water, (2) Power, (3) Steam generation, (4) Effluent treatment etc. produced or consumed during the year or period.

I Quantitative Information:

Serial Number	Particulars	Unit	Current year	Previous year
1.	Installed capacity			
2.	Quantity produced			
3.	Capacity utilisation			
4.	Quantity re-circulated			
5.	Quantity purchased, if any			
6.	Self consumption including other losses (to be specified)			
7.	Net units consumed			

II Cost Information:

Serial Number	Particulars	Quantity	Rate per unit(Rs.)	Amount (Rupees)	Cost per Unit	
					Current Year (Rupees)	Previous Year (Rupees)
A 1.	Materials(specify) (a) (b) (c)					
2.	Utilities(specify) (a) (b) (c)					
3.	Wages and Salaries					
4.	Consumable Stores and spares					
5.	Repairs and Maintenance					
6.	Depreciation					
7.	Other Direct Expenses, if any					
8.	Other overheads					
9.	TOTAL					
10.	Less: Credit, if any					
11.	Net Total					
B.	Apportioned to cost centre or activity 1. 2. 3. 4.etc.					

Notes: -

1. Separate cost sheet is to be prepared for each utility.
2. If any of the utilities, which are manufactured by the company, is sold to outside parties, proper credit should be given in the cost of production of the respective utility.
3. The proforma may be modified suitably to incorporate unit specific special features, if any, indicating reasons thereof.
4. Delete items not applicable.

PROFORMA B

Name of the company :

Name and address of Estate :

Name of the Product:

Statement showing the cost of Nursery raised during year or period :

A. Quantitative Information

Serial No.	Particulars	Unit	Current year	Previous year
1.	Area Under Nursery - Clones :			
2.	Area under Nursery - Seeds :			
3.	Total Area under Nursery :			
4.	Number of plantlets			
	(a) From clones			
	Balance brought forward :			
	Used for plantation:			
	Spoilage or death:			
	Balance carried forward:			
	(b) From seeds			
	Balance brought forward :			
	Used for plantation:			
	Spoilage or death:			
	Balance carried forward:			
	(c) Total plants consumed			

B. Cost Information

Cost Per 100 Plants

Serial Number	Particulars	Quantity (Unit)	Rate (Rs)	Amount (Rs)	Current year (Rs)	Previous year (Rs)
1.	Materials(Please specify major items)					
2.	Utilities (specify)					
3.	Wages & Salaries					
4.	Other Direct Expenses, if any (specify)					
5.	Consumable Stores					
6.	Repairs and Maintenance					
7.	Depreciation					
8.	Other overheads					
9.	Total Cost of Nursery					
10.	Less: Credits, if any					
11.	Net Total (9-10)					

C. Nursery Plants used in

	No. of Plants	Amount
1. Plantation 1 (to be specified)		
2. Plantation 2		
3. Plantation 3		
Total		

Note:

1. Separate statement shall be prepared in respect of each type of plantation.
2. Delete items not applicable.
3. The proforma may be modified suitably to incorporate unit specific special features, if any, indicating reasons thereof.

Proforma 'C'

Name of the company :

Name and address of Estate :

Name of the Product:

Statement showing the Cost of Development - New plantation, replantation or rejuvenation

Name of Estate or Garden

A. Quantitative Information

Serial No.	Particulars	Unit	Current year	Previous year
1.	Area of land			
2.	Year of plantation			
3.	No. of plants			
4.	Density of plants per hectare			
5.	Plants ratio(Clone:Seed)			
6.	Period of ammortisation			

B. Cost Information

SL. No.	Particulars	Cumulative balance till date	Amount spent during the year	Total Amount c/f	Amount spent during previous year
1.	Material: (a) Cost of nursery plants(Proforma B) (b) Fertilizer (1) (2)(to be specified) (c) Others (specify)				
2.	Salaries & Wages:				
3.	Consumable stores				
4.	Repairs and Maintenance				
5.	Other direct expenses (specify)				
6.	Depreciation				
7.	Other overheads				
8.	Total Cost (1 to 7) Less credit: (a)subsidy or grant from Government/Board				
9.	(b)Others(to be specified) Net Development Cost				

Notes:

- (1) Separate statement shall be prepared for different development work in respect of each garden/estate.
- (2) Development expenditure incurred for new plantation or re-plantation shall be amortised or capitalised or charged off in accordance with the generally accepted accounting principles followed in respective plantation industries.
- (3) Columns for recording year wise expenditure are illustrative only.
- (4) In case of any other development programme for the estate, which needs capital expenditure, detailed records in suitable proforma may be maintained for compilation of the same to be included in the cost records.
- (5) The proforma may be modified suitably to incorporate unit specific special features, if any, indicating reasons thereof.

Proforma 'D'

Name of the company :

Name and address of Estate :

Name of the product:

Statement showing the cost for production of _____(crop) produced during year or period :

A. Quantitative Information

SL No	Particulars	Unit	Current Year	Previous Year
1.	Area			
2.	Year of Plantation			
3.	Density of plants per Hectare			
4.	Plantating material used			
5.	Pruning type			
6.	Total quantity produced			
7.	Quantity sold to other units			
8.	Quantity of wastage			
9.	Net Quantity transferred to factory/works (6-7-8)			
10.	No of plucking or tapping days			
11.	No of man days for plucking or tapping			
12.	Plucking average			

B. Cost Information

SL No	Particulars	Quantity (Unit)	Rate/ Amount	Cost Per Unit	
				Current Amount	Previous Amount
			(Rs)	(Rs)	(Rs)
1.	Materials (Major items to be specified)				
2.	Wages and Salaries				
3.	Consumables and Spares				
4.	Other direct expenses(please specify)				
5.	Repair and Maintenance				
6.	Amortisation of cost of development program				
7.	Depreciation				
8.	Quality Control				

9.	Research and Development				
10.	Other Overheads				
11.	Statutory Cess or Levy, if any				
12.	Total Cost				
13.	Less Credit for by-product				
14.	Net Cost of production				

C. Production used in

	Quantity	Rate	Amount
1. Other departments for further processing			
2. Sales to related parties			
3. Other Sales			
Total			

Notes:-

1. This proforma shall be separately filled in respect of all major type of products produced or processed in the garden/estate.
2. If the production is sold without further processing, separate proforma E shall be prepared to compute the Cost of Production or Sales and Margin on such sales.
3. The proforma may be modified suitably to incorporate unit specific special features, if any, indicating reasons thereof.

Proforma E

Name of the company :

Name and address of Estate :

Name of the Product:

Statement of Cost of product manufactured or sold during the year ending_____ :

A. Quantitative Information

SL No	Particulars	Unit	Current Year	Previous Year
1.	Crop produced (as per proforma D)			
2.	Crop purchased or received from other units			
3.	Total crop (1+2)			
4.	Less wastage/driage, if any			
5.	Net Crop (3-4)			
6.	Finished product produced			
7.	Less wastage for finished products			
8.	Net finished product (6-7)			
9.	Ratio of 5:8			
10.	Installed capacity of finished goods			

11.	Quantity used for captive consumption			
12.	Quantity sold (a) Domestic (b) Export			
13.	Closing stock			
14.	Opening stock			

B. Cost Information

SL. No.	Particulars	Quantity	Rate	Amount	Cost Per Unit	
					Current year	Previous year
		(Unit)	(Rs)	(Rs)	(Rs)	(Rs)
1.	Crop produced as per proforma D					
2.	Crop Purchased					
3.	Other materials, (specify)					
4.	Total Material Cost(1 to 3)					
5.	Utilities (specify)					
6.	Wages and Salaries					
7.	Processing charges paid					
8.	Other direct expenses, if any					
9.	Consumable stores					
10.	Repair and maintenance					
11.	Depreciation					
12.	Lease rent, if any					
13.	Royalty or technical know-how fee, if any					
14.	Research and Development expenses					
15.	Tasting or Testing expenses (quality control)					
16.	Other Production Overheads					
17.	Cess, if any (specify)					
18.	Administration Overhead (a) Salaries and Wages (b) Labour welfare cost (c) Others(specify) Sub Total					
19.	Total Cost					
20.	Stock adjustment (work in progress)					
21.	Less credit for by-product or wastage					
22.	Net cost of production					
23.	Stock Adjustment (Finished product)					

24.	Packing or Packaging Cost					
25.	Selling and Distribution Overhead (a) Salary and Wages (b) freight and transport (c) Warehousing (d) Commission to agent (e) Advertisement exp Others, specify					
26.	Cost of sales					
27.	Interest and finance charges: (h) for manufacturing activity (i) Others(specify) (j) Sub total					
28.	Total Cost					
29.	Sales Realisation					
30.	Margin(29-28)					
31.	Add: (1) Subsidy or grant from Govt. or Board. (2) Export Benefits and incentives, if any					
32.	Total Margin(30+31)					

Notes:

1. Separate cost sheet shall be maintained in respect of each main/major type and grade of product, as far as practicable.
2. Input/output ratio for different products shall be indicated separately in the cost sheet.
3. The basis on which cost is apportioned to different grades of product along with their sales realisation shall be indicated in this proforma, as far as practicable.
4. Separate proforma shall be prepared for the quantity sold within the country and quantity exported. Expenses incurred on export and incentive earned thereon shall be indicated in the proforma for quantity produced and exported.
5. The proforma may be modified suitably to incorporate unit specific special features, if any, indicating reasons thereof.
6. Separate proformae shall be prepared in respect of related party trans⁴ defined under the rules.

PROFORMA 'F'

Name of the company:

Statement showing the allocation or apportionment of total expenses or income of the company between activities covered under Appendix and other activities during the year ending:

Serial No.	Particulars	Total actual expenses	Share applicable to products covered under Appendix			Share applicable to other activities	Basis of allocation
			Plantation	Processing	Others (to be specified)		
1.	Materials & supplies						
2.	Process materials consumed						
3.	Utilities (a) Power (b) Fuel (c) Steam (d) Effluent Treatment (e) Other (specify)						
4.	Direct Salaries and wages						
5.	Consumable Stores and Spares)						
6.	Repairs and Maintenance						
7.	Depreciation						
8.	Transportation Charges						
9.	Quality Control						
10.	Royalty or Technical Know-how/Lease rent						
11.	Research and development						
12.	Works overhead						
13.	Administrative overhead						
14.	Adjustment in difference between opening and closing work in progress						

15.	Less credit for recoveries						
16.	Less self consumption, if any,						
17.	Adjustment in difference between opening and closing stock of finished goods						
18.	Total (1 to 17)						
19.	Packing Expenses						
20.	Interest						
21.	Selling and Distribution expenses						
22.	Any other expenses not included in cost						
23.	Less any other income not considered in cost						
24.	Total cost excluding Excise duty						
25.	Total Sales realisation excluding Excise Duty Add: (1) Subsidy or grant from Govt. or Board. (2) Export Benefits and incentives, if any.						
26.	Margin (25-24)						

Notes: -

- 1) Cost centers are illustrative only.
- 2) All items of income and expenditure in this Proforma shall be reconciled with the financial accounts for the relevant period/year.

[F. No. 52/21/CAB-2001]

RAJIV MEHRISHI, Jt. Secy.